http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 60

प्रयागराज शनिवार 16 नवम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

शाह ने दिल्ली में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण किया

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्ववर्ती सरकारों पर आदिवासी महानायकों के स्वाधीनता संग्राम में दिये गये बलिदान और समाज के निर्माण में योगदान की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को कहा कि मोदी सरकार ने आदिवासी समाज के कल्याण और उत्थान की दिशा में अनेक कदम उठाये हैं और कई योजनाएं शुरू की हैं। श्री शाह ने आज यहां जनजातीय गौरव दिवस और भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती के अवसर पर बांसेरा उद्यान में भगवान बिरसा मुंडा की भव्य प्रतिमा का अनावरण करने के अवसर पर यह बात कही। यह प्रतिमा सराय कालेखां बस अड्डे के सामने रिंग रोड के निकट बने उद्यान में स्थापित की गयी है। इस अवसर पर निकट के चौक का नाम भी भगवान बिरसा मुंडा चौराहा रखा गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के केन्द्र में अंतिम बजट जनजातियों के विकास के लिए 28000 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया था जबकि मोदी सरकार के 2024–25 के बजट में यह राशि बढकर एक लाख 33 हजार करोड़ रुपये पहुंच गयी है। आदिवासी प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना में आदिवासी गांवों में सभी बुनियादी सुविधाएं पहुंचायी गयी हैं । आदिवासी क्षेत्रों में 708 रेसिडेंशियल मॉडल स्कूल बनाए गये हैं। प्रधानमंत्री विकास मिशन में 15000 करोड़ रुपये और जनजातीय उन्नत ग्राम योजना से गांवों को संपूर्ण रूप से विकसित करने के लिए और 24000 करोड़ रुपया दिया गया है। मोदी सरकार ने देश भर में 20 आदिवासी संग्रहालय बनाने की घोषणा की थी जो वर्ष 2026 तक बन कर तैयार हो जायेंगे। उन्होंने कहा कि महान राष्ट्रीय नायक भगवान बिरसा मुंडा ने मात्र 25 वर्ष की उम्र में इंग्लैंड की महारानी के महल तक आदिवासी और भारतीयों की आवाज को बुलंद करने का काम किया था तथा अपना बलिदान दिया था। उन्होंने कहा," आज हम सब भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि देते हैं और उनके जीवन से हम उनके सारे गुना को आत्मसात करके देश को विकास की दिशा में आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हैं।"

'राम को भगवान आदिवासियों ने बनाया'

● पीएम मोदी ने किया बिरसा मुंडा की जयंती पर 6640 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण

● मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कार्यक्रम में घोषणा की कि वे अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का साथ नहीं छोड़ेंगे।

● प्रधानमंत्री मोदी ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की शुरुआत की

जमुई,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आदिवासी समाज को 'राजकुमार राम' को 'भगवान राम' बनाने का श्रेय दिया वहीं देश की पूर्ववर्ती सरकारों पर आदिवासियों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए आज कहा कि जिनको किसी ने नहीं पूछा उनको मोदी पूजता है। श्री मोदी ने शुक्रवार को यहां बल्लोपुर गांव में बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में आदिवासियों के लिए 6640 करोड़ रुपये की अलग–अलग परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद अपने संबोधन में कहा, "आदिवासी समाज वह है, जिसने राजकुमार राम को भगवान राम बनाया। आदिवासी समाज ने भारत की संस्कृति और आजादी की रक्षा के लिए, सैकड़ों सालों की लड़ाई को नेतृत्व दिया। आजादी के बाद के दशकों में आदिवासी इतिहास के योगदान को मिटाने के लिए कोशिश की गई। इसके पीछे भी स्वार्थ भरी राजनीति थी। राजनीति यह कि भारत की आजादी के लिए केवल एक ही दल को श्रेय दिया जाए।" प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने आदिवासी समाज की मुश्किलें कम करने के लिए पीएम जन–मन योजना शुरू की। इसके तहत देश की सबसे पिछड़ी जनजातीय आबादी का विकास हो रहा है। अति पिछड़ी जनजातियों को हजारों पक्के घर दिए हैं। आदिवासी बस्तियों को जोड़ने के लिए पक्की सड़कें बनाई जा रही हैं। सैकड़ों गांवों में हर घर नल से जल पहुंचा है। उन्होंने कहा, "जिनको किसी ने नहीं पूछा, मोदी उनको पूजता है।" 40 मिनट के भाषण में आदिवासियों पर फोकस नीतीश कुमार के बाद पीएम मोदी मंच पर पहुंचे। करीब 40 मिनट के भाषण में प्रधानमंत्री ने आदिवासियों पर फोकस किया। परिवारवाद और आदिवासियों की अनदेखी को लेकर पिछली सरकारों को घेरा। नीतीश कुमार की तारीफ भी की। आदिवासियों ने राजकुमार राम को भगवान राम बनाया पीएम मोदी ने कहा कि श्आदिवासी समाज वो है, जिसने राजकुमार राम को भगवान राम बनाया। आदिवासी समाज ने भारत की संस्कृति और आजादी की रक्षा के लिए, सैकड़ों सालों की लड़ाई को नेतृत्व दिया। आजादी के बाद के दशकों में आदिवासी इतिहास के योगदान को मिटाने के लिए कोशिश की गई।

राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष ने की भगवान बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज संसद भवन परिसर में स्थित प्रेरणा स्थल पर जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर उनकी 150वीं जयंती और जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर भारत के उप राष्ट्रपति एवं राज्यसभा अध्यक्ष जगदीप धनखड़, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला तथा अन्य गण्यमान्य व्यक्तियों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पूर्व श्री ओम बिरला ने एक्स पर संदेश लिखा, "आदिवासी अस्मिता और संस्कृति के गौरव, उलगुलान के प्रणेता, धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर सविनय नमन। भगवान बिरसा मुंडा का 150वां जन्मजयंती वर्ष आज से शुरू हो रहा है। जनजातीय गौरव दिवस के इस उपलक्ष्य पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं। भगवान बिरसा देश, समाज और संस्कृति के लिए अपना सर्वस्व समर्पण कर देने वाले महानायक थे। उनके जीवन आदर्श हमें सदैव प्रेरित करते रहेंगे। वर्ष 2021 से 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है, ताकि जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों की बलिदान को सम्मानित किया जा सके। जनजातीय समुदायों ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में कई क्रांतिकारी आंदोलनों के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह दिवस जनजातीय समुदायों के इतिहास, संस्कृति और धरोहर को सम्मानित करता है, एवं देशभर में एकता, गर्व और जनजातियों का देश की स्वतंत्रता और प्रगति में योगदान के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

भगवान बिरसा मुंडा जनजातीय समाज के एक प्रेरणा स्रोत रहे हैं: सीएम योगी

● जनजातीय गौरव दिवसः इसमें कला के माध्यम से जनजातीय संस्कृति की झलक देखने को मिली

लखनऊ,(एजेंसी)। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150 में जयंती आज जनजातीय गौरव दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंतरराष्ट्रीय जनजातीय भागीदारी उत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सीएम योगी ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान कैबिनेट मंत्री असीम अरुण, पर्यटन मंत्री संजीव गौड़ और प्रमुख सचिव समाज कल्याण डॉ. हरिओम भी मौजूद रहे। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनजातीय प्रतिनिधि, सांस्कृतिक कलाकार, और गणमान्य लोग शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि श्भगवान बिरसा मुंडा जनजातीय समाज के एक प्रेरणा स्रोत रहे हैं।श सीएम योगी ने किया कार्यक्रम को संबोधित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि श्भगवान बिरसा मुंडा की वीरता और जनजातीय समाज के प्रति उनके योगदान का स्मरण किया। सीएम योगी सीएम ने कहा, भगवान बिरसा मुंडा जनजातीय समाज के एक प्रेरणा स्रोत रहे हैं, जिन्होंने न केवल अपनी संस्कृति और अस्तित्व की रक्षा की, बल्कि समाज को भी प्रेरित किया। उनका जीवन हर भारतीय के लिए गर्व का प्रतीक है। इसमें कला के माध्यम से जनजातीय संस्कृति की झलक देखने को मिली इस आयोजन में विभिन्न जनजातीय सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का प्रदर्शन किया गया। जिसमें नृत्य, संगीत और कला के माध्यम से जनजातीय संस्कृति की झलक देखने को मिली। इसके साथ ही, जनजातीय विकास और संरक्षण के लिए कई योजनाओं और योजनाबद्ध कार्यों की भी चर्चा की गई, जिससे जनजातीय समाज का सशक्तिकरण हो सके। उत्सव में देश–विदेश के जनजातीय प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया, जो इस आयोजन को एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्वरूप प्रदान करता है। मुख्यमंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए जनजातीय समाज के विकास और दोहराई। 6 दिवसीय इस महोत्सव में भारत के 22 राज्यों के साथ–साथ स्लोवाकिया और वियतनाम से भी कलाकार शामिल हो रहे हैं। वहीं, लखनऊ में भी 'जनजातीय गौरव दिवसश मनाया गया। सीएम योगी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, श्जय जोहार३श्धरती आबाश भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती व जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर आज लखनऊ में आयोजित श्अंतर्राष्ट्रीय जनजाति भागीदारी उत्सवश के शुभारंभ कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ।

तेलंगाना सरकार ट्रांसजेंडरों को करेगी यातायात स्वयंसेवकों के रूप में नियुक्त

हैदराबाद,(एजेंसी)। तेलंगाना सरकार हैदराबाद में ट्रैफिक प्रबंधन और ड्रंक एंड ड्राइव की जांच के लिए ट्रांसजेंडरों को ट्रैफिक स्वयंसेवक के रूप में नियुक्त करेगी। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने गुरुवार शाम संबंधित अधिकारियों क ा हैदराबाद शहर में ब ढ़ त ी यातायात समस्याओं क ा समाधान करने के ि ल ए यातायात स्वयंसेवकों के रूप में ट्रांसजेंडरों की नियुक्ति पर ध्यान केंद्रित करने का आदेश दिया। जैसा कि पहले निर्णय लिया गया था, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से पहले चरण में उच्च यातायात क्षेत्रों में ट्रांसजेंडरों को यातायात स्वयंसेवकों के रूप में नियुक्त करने का आदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिग्नल जंपिंग वाले स्थानों पर होम गार्ड की तर्ज पर ट्रांसजेंडरों की सेवाएं ली जाए और यातायात नियमों का उल्लंघन रोका जाए। श्री रेड्डी ने अधिकारियों को ड्रंक एंड ड्राइव निरीक्षण बिंदु पर ट्रांसजेंडरों को तैनात करने और शहर में बढ़ते मामलों में कमी लाने के लिए उनकी सेवाओं का उपयोग करने का भी सुझाव दिया। अधिकारियों से ट्रांसजेंडरों के लिए एक विशेष ड्रेस कोड को अंतिम रूप देने और होमगार्ड के समान वेतन देने के लिए कहा गया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इस निर्णय को प्रयोग के तौर पर जल्द से जल्द लागू करने का निर्देश दिया।

जाति जनगणना से दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा: राहुल गांधी

● हम किसी से नहीं डरतेः राहुल गांधी

रांची,(एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आज गोड्डा में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। श्री गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी नरेंद्र मोदी से नहीं डरती है।मोदी अरबपतियों की कठपुतली हैं। जैसे अरबपति चाहते हैं वो बिल्कुल वैसा करते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को आड़े हाथ लेते हुए आरोप लगाया कि मोदी ने अरबपतियों के 16 लाख करोड़ रुपये माफ किये हैं लेकिन किसानों के एक रुपये माफ नहीं किएघ। उन्होंने एक बार फिर जाति जनगणना पर जोर देते हुए कहा कि जाति जनगणना से दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। उन्होंने कहा कि 50 प्रतिशत की आरक्षण की दीवार हम तोड़ कर रहेंगे।हम लोकसभा में जातीय जनगणना का बिल पास करवा के रहेंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड में एसटी का आरक्षण 24 प्रतिशत से बढ़ाकर 26प्रतिशत करेंगे। श्री गांधी ने कहा कि सरकार बनने के बाद हर महिला को 2500 रुपये खाते के जरिये दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि 450 रुपये गैस सिलेंडर दिया जाएगा। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा लोगों को सरकार बनने के बाद हम 15 लाख का स्वास्थ्य बीमा देंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को बेरोजगारी के मुद्दे पर घेरते हुए कहा कि मोदी सरकार में बेरोजगारी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि सरकार बनने के बाद हर साल 10 लाख युवाओं को रोजगार देने का काम करेगी। कहा कि नोटबंदी ने छोटे कारोबारियों को खत्म कर दिया। अडाणी और अंबानी के लिए रास्ता खोल दिया। झारखंड में सरकार बनने के बाद हर जिले में डिग्री कॉलेज और प्रोफेश्नल कोर्स के कॉलेज खोले जाएंगेघ। मोदी जी ने संविधान नहीं पढ़ा राहुल ने कहा कि नरेंद्र मोदी कहते हैं कि राहुल गांधी लाल किताब दिखा रहा है। मैं कहता हूं कि इसका रंग जरूरी नहीं है। इसमें जो लिखा है, वह जरूरी है। इसे आपने जिंदगी भर नहीं पढ़ा है। आप इसे एक बार खोल लेते तो देश में हिंसा फैलाने का काम नहीं करते। आप ऐसा इसलिए करते हो क्योंकि आपने यह नहीं पढ़ा। 2. मोदी क्या, दुनिया की कोई ताकत नहीं हटा सकती संविधान राहुल बोले– देश में बंद कमरे में नफरत फैलाने का काम ठश्रब्ै के लोग करते हैं। संविधान को नरेंद्र मोदी, क्या दुनिया की कोई ताकत नहीं मिटा सकती है।

22 दिसंबर को दो पालियों में होगी यूपीपीएससी पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा

नयी दिल्ली,(एजेंसी)।यूपीपीएससी ने पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा की नई तारीख की घोषणा कर दी है। 7 और 8 दिसंबर को आयोजित होने वाली यह परीक्षा, अब 22 दिसंबर को एक ही दिन, दो पालियों में आयोजित की जाएगी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा की नई तारीख का एलान कर दिया है। ताजा जानकारी के अनुसार, यह परीक्षा 22 दिसंबर को एक ही दिन में आयोजित की जाएगी। यूपी लोक सेवा आयोग ने गुरुवार, 14 नवंबर को लंबे समय से चल रहे विरोध प्रदर्शन के बाद परीक्षा को स्थगित कर दिया था। आयोग ने आज, 15 नवंबर परीक्षा की नई तिथि का एलान किया है। पहले यह परीक्षा 7 और 8 दिसंबर को दो दिन, दो पालियों में आयोजित होनी थी। 10 लाख से अधिक उम्मीदवार देंगे परीक्षा यूपीपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट uppsc-up-nic-in- जारी ताजा नोटिस में लिखा है, श्समिलित राज्यश्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा 2024 जो दो दिवसों में दिनांक 7 व 8 दिसंबर 2024 को होनी थी, उसे अब एक दिवस में दिनांक 22 दिसंबर 2024 को दो सत्रों में आयोजित किया जाएगा। पहली पाली सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा में 10 लाख से अधिक (10,76,004) अभ्यर्थियों के बैठने की उम्मीद है।ष यूपी पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा की नई तारीख निम्न प्रकार हैरू पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा की नई तारीख 22 दिसंबर, 2024।

दुश्मनों के खिलाफ एकजुट हों भारतीय, गडकरी ने बंटेंगे तो कटेंगे नारे का किया बचाव

● नारे का गलत मतबल नहीं निकाला जाना चाहिए

● योगी आदित्यनाथ के नारे को लेकर नेताओं के अलग–अलग मत

मुंबई। नितिन गडकरी ने कहा कि श्हमारी पूजा पद्धति अलग हो सकती हैं, कुछ लोग मंदिर जाते हैं तो कुछ मस्जिद और कुछ गिरिजाघर, लेकिन आखिर में तो हम सब भारतीय हैं।श केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने योगी आदित्यनाथ के नारे बटेंगे तो कटेंगे का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि लोगों को इस नारे का गलत मतलब नहीं निकालना चाहिए और देश के दुश्मनों और आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होना चाहिए। गडकरी ने ये भी दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में राज्य में महायुति गठबंधन की सरकार सत्ता में वापसी करेगी। श्नारे का गलत मतबल नहीं निकाला जाना चाहिएश नितिन गडकरी ने कहा कि श्हमारी पूजा पद्धति अलग हो सकती हैं, कुछ लोग मंदिर जाते हैं तो कुछ मस्जिद और कुछ गिरिजाघर, लेकिन आखिर में तो हम सब भारतीय हैं। हमें बटेंगे तो कटेंगे नारे का गलत मतलब नहीं निकालना चाहिए बल्कि आतंकवाद और देश के दुश्मनों के खिलाफ एकजुट होना चाहिए। सभी भारतीयों को एकजुट होना चाहिए और ये किसी को बांटने के लिए नहीं है, लेकिन दुख की बात है कि लोग इसका गलत मतलब निकाल रहे हैं।श योगी आदित्यनाथ के नारे को लेकर नेताओं के अलग–अलग मत गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक जनसभा के दौरान ये नारा दिया था, जिसे लेकर राजनीतिक बयानबाजी जारी है। कई नेताओं ने योगी आदित्यनाथ के नारे का समर्थन किया है तो कई नेता ऐसे भी हैं, जो योगी के नारे को भड़काऊ और लोगों को बांटने वाला बता रहे हैं। नितिन गडकरी ने आगामी विधानसभा चुनाव में महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन की सरकार बनने का दावा किया। गडकरी ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान अलग माहौल था, लेकिन अब विधानसभा चुनाव में शिव सेना और कांग्रेस के विचार मेल नहीं खा रहे हैं।

महायुति गठबंधन की तरफ से सीएम पद के चेहरे को लेकर गडकरी ने कहा कि चुनाव एकनाथ शिंदे, अजित पवार और देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में हो रहे हैं और चुनाव के बाद ये तीनों नेता, पार्टी आलाकमान और चुने हुए प्रतिनिधि नेता का चुनाव करेंगे।

भारत पिछड़ा

चीन ने जो जगह खाली की, उसे बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देश भरने में कैसे कामयाब हुए और क्यों भारत पिछड़ गया? चुनौती यह सोचने की भी है कि चूंकि वो मौका हाथ से चला गया है, तो अब आगे क्या विकल्प है?

श्रम केंद्रित मैनुफैक्चरिंग सेक्टर्स से चीन के हटने से भारत के सामने बड़ा निर्यातक देश बनने का जो अवसर आया था, वह हाथ से निकल गया है। यह बात विश्व बैंक ने कही है। बैंक ने अपने इंडिया डेवलपमेंट अपडेट में जिक्र किया है कि भारत में अंतरराष्ट्रीय व्यापार से संबंधित प्रत्यक्ष या परोक्ष रोजगार पिछले एक दशक के दौरान घटा है। बताया गया है कि वस्त्र, चमड़ा, कपड़ा, रत्न एवं जेवरात आदि जैसे श्रम केंद्रित सेक्टर्स में विश्व व्यापार में भारत का हिस्सा गिरता चला गया है। जबकि बांग्लादेश, वियतनाम और पोलैंड जैसे देशों ने अपना हिस्सा बढ़ा लिया है। इसके पहले मीडिया रिपोर्टों में बताया गया था कि 2017–18 के बाद से उपरोक्त वस्तुओं के भारतीय निर्यात में 12 फीसदी की गिरावट आई है। नतीजतन, इन क्षेत्रों से जुड़े कारखाने या तो बंद हुए हैं या उन्होंने अपना उत्पादन घटाया है। स्वाभाविक है कि इन क्षेत्रों में बड़ी संख्या नौकरियां गई हैं।

विश्व बैंक ने इस अंतर्विरोध का उल्लेख किया है कि एक तरफ भारत आज दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ रही अर्थव्यवस्था है, वहीं देश में शहरी युवा बेरोजगारी की दर 17 प्रतिशत के ऊंचे स्तर पर है। बैंक की राय है कि जब तक भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार से संबंधित क्षेत्रों के वैल्यू चेन (मूल्य शृंखला) में आगे नहीं बढ़ता है, उसके लिए बेरोजगारी की समस्या का हल ढूंढना मुश्किल बना रहेगा।

गौरतलब है कि बैंक ने जिस अवधि का विस्तार से जिक्र किया है, वो मेक इन इंडिया और आत्म–निर्भर भारत जैसे नारों के शोर से भरी रही है। लेकिन अब उन नारों की हकीकत देश के सामने है। विचारणीय है कि चीन ने जो जगह खाली की, उसे बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देश भरने में कैसे कामयाब हुए और क्यों भारत इसमें पिछड़ गया? चुनौती यह सोचने की भी है कि चूंकि वो मौका हाथ से चला गया है, तो अब देश के सामने क्या विकल्प है? वर्तमान केंद्र सरकार ऐसे गंभीर मसलों पर किसी राष्ट्रीय बहस की शुरुआत करेगी, इसकी उम्मीद तो नहीं हैय लेकिन विपक्ष के पास भी क्या इसकी इच्छाशक्ति एवं बौद्धिक साहस है?

सिंगौरगढ़ किला: एमपी की ऐतिहासिक धरोहर

0–अरूण शर्मा

मध्यप्रदेश के दमोह जिले में स्थित सिंगौरगढ़ किला, रानी दुर्गावती के शासनकाल की महत्वपूर्ण धरोहर है। यह किला केंद्रीय संरक्षित स्मारक है। पहाड़ी पर स्थित यह किला अपनी अद्वितीय स्थापत्य कला और सामरिक महत्व के कारण सदियों से एक महत्वपूर्ण किलेबंदी के रूप में पहचाना गया है।

सिंगौरगढ़ किला दमोह के दक्षिण–पूर्व में स्थित है। यह किला पहाड़ी की चोटी पर बनाया गया है, जिसे कलचुरी राजवंश द्वारा निर्मित किया गया था। इस किले का महत्व बढ़ाने में कई राजवंशों का योगदान रहा है। समय–समय पर इसमें विभिन्न निर्माण और सुदृढ़ीकरण कार्य किए गए, जिनके अवशेष आज भी इस किले में देखे जा सकते हैं।

0–सिंगौरगढ़ किले का ऐतिहासिक महत्वरूसिंगौरगढ़ किले का नाम इतिहास में विशेष रूप से रानी दुर्गावती के शासनकाल से जुड़ा हुआ है। इस किले की दीवारें और परकोटे इसे दुश्मनों से सुरक्षित रखने के लिए विशेष रूप से निर्मित किए गए थे। इसके चारों ओर लगभग 8 किलोमीटर की लंबाई में फैला बाहरी परकोटा है, जो किले की बाहरी सुरक्षा सुनिश्चित करता था। किले के अंदरूनी हिस्से में भी एक परकोटा है, जिसे अन्तरू किलेबंदी के रूप में उपयोग किया जाता था। किले के भीतर रानी महल, विशाल जल कुंड, मंदिरों के अवशेष और अन्य स्थापत्य संरचनाएं हैं, जो इसके गौरवशाली इतिहास की गवाही देती हैं।

किले का निर्माण पूरी तरह से प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करके किया गया है। इसमें बड़े अनगढ़ पत्थरों का उपयोग किया गया है और दीवारों को मजबूत बनाने के लिए चूना और मिट्टी का उपयोग किया गया है। किले के ऊपर विभिन्न संरचनाएं, जैसे रानी महल और अन्य स्थापत्य धरोहरें, इसकी भव्यता को और बढ़ाते हैं।

0–संरक्षण कार्य रू अतीत को बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयासरूसिंगौरगढ़ किला संरक्षित स्मारकों की सूची में शामिल है। इसके संरक्षण का कार्य 4 चरणों में किया जा रहा है। प्रत्येक चरण में किले के विभिन्न भंग हिस्सों का जीर्णोद्धार कर इनका संरक्षण और पुनर्निर्माण किया जाएगा। इसमें मुख्यतरू किले के बाहरी और आंतरिक दीवारों का संरक्षण, सीढियों की मरम्मत, रानी महल की छत की मरम्मत और किले के अन्य संरचनाओं की मरम्मत का कार्य शामिल है। इसके लिए कुल 8.83 करोड़ रुपये मंजूर किये गये हैं। किले के महत्वपूर्ण हिस्सों की मरम्मत और संरक्षण का कार्य किया जा रहा है। वित्त वर्ष 2020–21 में परियोजना के पहले चरण में 1 करोड़ 4 लाख रूपये के कार्य किये गये।

पहले चरण में किले के मुख्य प्रवेश द्वार (हाती गेट) का संरक्षण कार्य पूरा किया गया। इस चरण में हाथी गेट के प्रवेश मार्ग की मरम्मत, रिटेनिंग दीवार का निर्माण, पुराने प्लास्टर को हटाकर नए प्लास्टर का कार्य और गुम्बद की मरम्मत भी शामिल थी। साथ ही किले के परिसर में सैंड स्टोन फ्लोरिंग और लाईम कांक्रीट कार्य भी किया गया। यह कार्य वित्त वर्ष 2023–24 में पूरा हुआ।

0–भविष्य की योजनाएं और चरणबद्ध कायर्रूअगले चरण में रानी महल, किले की सीढियों और कंगूरों की मरम्मत की जाएगी। बलुआ पत्थर के स्तंभों, पत्थर की बेंचों और अन्य स्थापत्य धरोहरों की भी मरम्मत की जाएगी। इस किले के संरक्षण कार्य का उद्देश्य इसे न केवल ऐतिहासिक रूप से सुरक्षित रखना है, बल्कि इसे पर्यटन के लिहाज से भी विकसित करना है, ताकि इसे मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल किया जा सके। प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक धरोहर का संगमरूसिंगौरगढ़ किला एक ऐतिहासिक स्थल होने के साथ प्राकृतिक सौंदर्य से भी परिपूर्ण है। यह किला सिंग्रामपुर के आरक्षित वन क्षेत्र में स्थित है, जो इसे प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर का अनूठा संगम बनाता है। किले के आसपास का दृश्य बहुत ही मनोहारी है और यह पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन सकता है। पर्यटन और रोजगार के अवसररूसंरक्षण कार्य से किले को न केवल संरक्षित किया जा रहा है, साथ ही इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी उत्पन्न हो रहे हैं। किले के संरक्षण के साथ–साथ, इसके आसपास के क्षेत्रों में भी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भी योजनाएं बनाई जा रही हैं। इससे क्षेत्रीय पर्यटन विकास और आर्थिक उन्नति होगी।

सिंगौरगढ़ किले का संरक्षण कार्य एक ऐतिहासिक धरोहर को बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और आने वाले वर्षों में यह किला मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में जाना जायेगा।

एफबीआई सिर्फ दिखाने के लिए स्वतंत्र

ओमप्रकाश मेहता

आज देश की प्रमुख जांच एजेंसियाँ केंद्रीय जांच ब्यूरों (सीबीआई) और वित्तीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) सहित रक्षा इकाईयों पर यह एक सामान्य आरोप लगाा जा रहा है, ये सिर्फ दिखाने के लिए स्वतंत्रय है, जबकि इन पर पूरा नियंत्रण सरकार का है, इसीलिए यह सामान्य आरोप लगाया जाता है कि सरकारी वित्तीय घपलों की जांच निष्पक्षता के दायरें से बाहर ही रहती है, अब आज का मुख्य सवाल यह है कि इन प्रतिष्ठानों के नाम को स्वतंत्रय के साथ जोड़ा गया है, तो इन्हें स्वतंत्रताय व न्यायपूर्ण काम क्यों नही करने दिया जाता।

पिछले दिनों दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरिवंद केजरीवाल की शराब काण्ड में जमानत पर सर्वोच्च न्यायालय ने जो सरकारी जांच एजेंसियों को लेकर सख्त टिप्पणियां की, उन पर सरकार ने चाहे गौर न किया हो, किंतु देश के हर जागरूक और बुद्धिजीवी नागरिक ने काफी गंभीरता से लेकर उस पर मनन भी किया है और सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणियों को आज की सच्चाई से जोड़ा है।

आज की एक बड़ी सच्चाई यह भी है कि आज देश को प्रजातंत्र के तीन अंगों में से सिर्फ और सिर्फ न्यायपालिका पर ही भरोसा शेष रहा है, विधायिका व कार्यपालिका के साथ ही चौथे कथित अंग खबर पालिका पर भी भरोसा शेष नही रहा। अब चूंकि पूरे देश को न्याय पालिका पर ही भरोसा रहा है और न्याय पालिका भी इस भरोसे को कायम रखने में जुटी है, तो फिर इन तथाकथित जांच एजेंसियों को सरकारी नियंत्रण से बाहर क्यों नही लाया जा रहा?

यहाँ यह भी कटु सत्य है कि सरकार के अधिकांश दुष्कर्मय के मामलों की जांच का उत्तरदायित्व भी इन्हीं जांच एजेंसियों को सौंपा जाता है, जिन पर केन्द्र या राज्य में विराजित उन राजनेताओं का नियंत्रण रहता है जो स्वयं इन दुष्कर्मोंय के सहभागी होते है, अब ऐसी स्थिति में तथाकथित इन स्वतंत्र जांच एजेंसियों से सही न्यायपूर्ण व संवैधानिक जांच की उम्मीद कैसे की जा सकती है, यही मुख्य कारण है कि प्रजातंत्र के किसी भी अंग को सही व उचित न्याय नही मिल पाता और देश के आम नागरिक की खून–पसीनें की कमाई का अधिकांश पैसा इन कथित भ्रष्ट सत्ताधीशों की जेबों में चला जाता है, यही मुख्य कारण है कि आज के युवा वर्ग में राजनीति के प्रति रूझान बढ़ता जा रहा है। ज. और देश को सकी गाढ़ी कमाई राशि के घपले पर न्याय भी नही मिल पाता

क्योंकि जांच एजेंसियाँ इन्हीं भ्रष्टाचारियों के कब्जे में रहती है और यही कारण है कि भ्रष्टाचार का महारोगय दिन दूनी–रात चौगुनी गति से महामारी का रूप ग्रहण करता जा रहा है।

इसलिए आज की सबसे अहम् और पहली जरूरत इन सरकारी जांच एजेंसियों को सरकार के नियंत्रण से बाहर करने की है और इसके लिए तथाकथित रूप से ईमानदार प्रधानमंत्री जी को ही संसद में संविधान संशोधन प्रस्तुत कर इन स्वतंत्रय एजेंसियों पर से अपना नियंत्रण हटाना पड़ेगा। खासकर केंन्द्रीय गृहमंत्री से तो ऐसी अपेक्षा की ही जा सकती है? क्योंकि आज इन एजेंसियों की स्वायतता को लेकर हर तरफ से कई सवाल खड़े किए जा रहे है।क्या ही अच्छा हो, यदि मोदी सरकार इन स्वतंत्र जांच एजेंसियों की अब तक की भूमिकाओं, उनकी कार्यशैली व उनकी मजबूरियों की निष्पक्ष समीक्षा कर संसद के माध्यम से इन्हें और अधिक सक्षम व विश्वसनीय बनाने की दिशा में अहम् भूमिका का निर्वहन करें? क्योंकि आज इन जांच एजेंसियों में भी अमले की कमी से लेकर अन्य कई समस्याऐं है, जिनके कारण ये एजेसिंया त्वरित न्याय नही दे पा रही है। इसलिए इनका हर तरीके से पूर्णरूपेण न्यायोचित निरीक्षण कर इनके सुधार की दिशा में पहल की जानी चाहिए। यह भी देखा जाना चाहिए कि इन एजेंसियों पर कितने और कितनी लम्बी अवधि के लम्बित मामले पेंडिंग है और इनका न्यायपूर्ण निपटारा कैसे व कितनी कम समयावधि में हो सकता है? यदि केन्द्र सरकार व प्रधानमंत्री व्यक्तिगत दिलचस्पी लेकर इस देशहित के कार्य को सम्पन्न करें, तो उनकी लोकप्रियता में अभिवृद्धि ही होगी।

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय ज्योतिष विभाग लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुलाःआज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिकः आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनुः आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकरः आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभः आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीनः आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

फिल्मों की एकसूत्र में बांधने की शक्ति

अश्विनी वैष्णव

प्रख्यात फिल्म निर्माता सत्यजीत रे ने लोगों को एकसूत्र में बांधने की सिनेमा की शक्ति के सार को पकड़ते हुए कहा था, सिनेमा एक सार्वभौमिक भाषा बोलता है। अपनी व्यापक भाषाई एवं सांस्कृतिक विविधता के साथ, भारतीय सिनेमा देश के हरेक कोने के लोगों को एक साथ लाता है जिससे उन्हें एक जैसी भावनाओं एवं अनुभवों को साझा करने का मौका मिलता है। चाहे वह तमिल नाटक हो या हिंदी की अति लोकप्रिय फिल्म या फिर विशुद्ध मराठी फिल्म, सिनेमा हमारे बीच की खाई को पाटते और हमें श्सभी मतभेदों के बावजूद, हम एक हैंय की याद दिलाते हुए अपनेपन की गहरी भावना को बढ़ावा देता है।

भारतीय सिनेमा की सार्वभौमिकता क्षेत्रीय एवं भाषाई सीमाओं के परे जाने की इसकी क्षमता में निहित है, जो इसे राष्ट्रीय एकता की एक मजबूत शक्ति बनाती है। राज कपूर की श्श्री 420य जैसी शास्त्रीय फिल्म से लेकर मणिरत्नम की श्रोजाय तक भारतीय फिल्में भावनाओं की भाषा बोलती हैं, जिसे हर कोई समझता है। श्श्री 420य की गूंज जहां सभी भाषाओं में सुनाई दी, वहीं श्रोजाय को देशव्यापी प्रशंसा मिली। एम.एस. सथ्यू की श्गरम हवाय और बिमल रॉय की श्दो बीघा जमीनय जैसी फिल्में हमें याद यह दिलाती हैं कि संघर्ष, प्रेम एवं जीत की कहानियां किसी सीमा से बंधी नहीं हैं और यह साबित करती हैं कि सिनेमा सही अर्थों में देश में एक बंधनकारी शक्ति है।

यह सिनेमा की सार्वभौमिकता ही है, जिसका उत्सव राष्ट्रपति द्वारा सर्वश्रेष्ठ फिल्मों, सर्वश्रेष्ठ निर्देशकों और सर्वश्रेष्ठ अभिनेताओं को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों से सम्मानित किए जाने के साथ हर वर्ष मनाया जाता है। यह आंखों को चकाचौंध कर देने वाला एवं बेतहाशा आकर्षण पैदा करने वाला कार्यक्रम नहीं है, जो आमतौर पर ऐसे अन्य अवसरों पर आयोजित किए जाते हैं। यह प्रतिभा – कहानीकारों, कहानी कहने वालों और कहानी प्रस्तुत करने वालों की प्रतिभा – की एक गरिमापूर्ण स्वीकृति है। यह भारत की भाषाओं और बोलियों की बहु–भव्य एवं बहुरंगी विविधता की भी एक गरिमामयी पुष्टि है, जो एक साथ मिलकर इस महान राष्ट्र की एकता का जादुई ताना–बाना बुनती है और लगभग डेढ़ बिलियन वैसे लोगों को सूत्रबद्ध करती है जो सैकड़ों भाषाएं एवं उनसे संबद्ध बोलियां बोलते हैं।

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की विशिष्टता इस तथ्य से स्पष्ट होती है कि सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार पाने वालों में तिवा भाषा में बनी फिल्म शसिकैसलश (काश सिर्फ पेड़ ही बोल पाते) शामिल है। यह तिवा लोगों, जो एक तिब्बती–बर्मी जातीय समूह के सदस्य है, की भाषा है। इस समूह के सदस्य भारत के उत्तर–पूर्व और बांग्लादेश एवं म्यांमार में पाए जाते हैं। 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के लिए सरकार को फीचर फिल्म की श्रेणी में 32 विभिन्न भाषाओं की 309 फिल्में और गैर–फीचर श्रेणी में 17 भाषाओं की 128 फिल्में प्राप्त हुईं। फीचर फिल्म की श्रेणी में, स्वर्ण कमल पुरस्कार चार भारतीय भाषाओं की फिल्मों ने जीता। इनमें से एक फिल्म हरियाणवी भाषा में थी। इस श्रेणी में हिंदी और तमिल भाषा की पांच–पांच फिल्मों ने रजत कमल पुरस्कार जीता। साथ ही मलयालम, गुजराती, कन्नड़, हरियाणवी और बंगला भाषा की फिल्मों ने भी पुरस्कार जीता। भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भाषाओं की दस फिल्मों को भी रजत कमल पुरस्कार प्रदान किया गया। हिंदी और उर्दू में रिलीज हुई एक फिल्म ने सर्वश्रेष्ठ गैर– फीचर फिल्म श्रेणी का स्वर्ण कमल पुरस्कार जीता।

भाषाई राजनीति के शून्यवादी (नाइलीस्ट) चाहे जो भी तर्क दें, लेकिन तथ्य यह है कि भाषाई राज्यों के साथ भारतीय गणराज्य के निर्माण के लगभग 75 वर्ष बीत जाने के बाद अतीत की बाधाएं पिछले कुछ दशकों के दौरान काफी हद तक समाप्त हो गई हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि बॉलीवुड की फिल्मों ने हिंदी को व्यापक रूप से स्वीकार्य बना दिया है। लेकिन यह भारतीय समाज के विविध पहलुओं पर फिल्मों का केवल एक बड़ा प्रभाव है। इसका दूसरा सबसे बड़ा प्रभाव श्एक भारत, श्रेष्ठ भारतय की विविधता में एकता की एक गहरी एवं स्थायी भावना को बढ़ावा देते हुए लोगों को श्अन्यय भाषाई समूहों एवं पहचानों के बारे में जागरूक करना है।

भारतीय सिनेमा के संदर्भ में, तो यह एक नारे से कहीं बढ़कर है। यह सही है कि इसके अति प्रयोग ने इसकी गरिमा को धूमिल किया है। भारतीय सिनेमा अकल्पनीय रूप से उन रचनाकारों के व्यापक समुदाय की कलाओं को प्रदर्शित करती है जो विविध प्रकार की राजनीति, समाजों एवं संस्कृतियों के बीच सार्वभौमिक मान्यताओं तथा उस निर्विवाद चीज, जिसे हम एक इकाई के तौर पर लोगों के रूप में तथा लोगों को एक राष्ट्र के रूप में बांधने वाली नैतिकता एवं नैतिक मूल्य कहते हैं, पर आधारित जादुई मनोरंजन का सृजन करने के लिए अपनी प्रतिभा को एक साथ लाते हैं। वास्तव में, कोई भी भारतीय कहानी उन सार्वभौमिक तत्वों के बिना कभी नहीं कही गई है जो रीति, मूल्यों और नैतिकता पर जोर न देती हों और जिन्हें केवल फिल्म निर्माताओं और दर्शकों की पारखी दृष्टि ही समझ सकती हैं। अब तक सुनाई गई दो सबसे बड़ी कहानियां – रामायण और महाभारत – इस तथ्य की पुष्टि करती हैं।

हमारे सिनेमा का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू वह सहजता है जिसके साथ हमारे फिल्म निर्माता सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक विघटन के मूल में मौजूद विभाजनकारी चिन्हों को मिटा देते हैं। यही भारत की कहानी कहने की कला की अनूठी ताकत भी है। चाहे वह कला फिल्में हों, लोकप्रिय फिल्में हों, व्यावसायिक फिल्में हों या आधुनिक समय की चुनौती देने वाली ओटीटी फिल्में हों, हम एक साथ प्रभावित होते हैं, हम एक साथ तालियां बजाते हैं और हम एक साथ उत्सव मनाते हैं। तेलुगु भाषा की संगीतमय फिल्म श्आरआरआरश का गाना श्नाटू नाटूश, जिसने ऑस्कर और गोल्डन ग्लोब जीता है, भाषा, जातीयता और राष्ट्रीयता के बंधनों से परे जाकर न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में सुपरहिट साबित हुआ।

भारतीय सिनेमा को वैश्विक मंच पर ऊंचा उठाने के लिए, सरकार तीन मुख्य स्तंभों पर ध्यान केन्द्रित कर रही हैरू प्रतिभा की एक मजबूत पाइपलाइन विकसित करना, फिल्म निर्माताओं के लिए बुनियादी ढांचे को बढ़ाना और कहानीकारों को सशक्त बनाने के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाना। सरकार ने हाल ही में भारतीय रचनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) की स्थापना की घोषणा की है, जो रचनात्मकता को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है और यह सुनिश्चित करता है कि भारतीय सिनेमा फिल्म निर्माण की नवीनतम तकनीकों, तल्लीन कर देने वाले अनुभवों और संवादात्मक मनोरंजन को अपनाने के साथ–साथ राष्ट्रीय एकीकरण एवं वैश्विक मनोरंजन के क्षेत्र में एक मजबूत शक्ति बना रहे।

जब हम भविष्य की ओर देखते हैं, श्एक भारत श्रेष्ठ भारतय के विचार के संदर्भ में सिनेमा की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। तेजी से विकसित हो रही दुनिया में, भारतीय सिनेमा लगातार नवप्रवर्तन करते हुए अपने क्षितिज का विस्तार कर रहा है और ऐसी कहानियां कह रहा है जो न केवल हमारी विविधता को दर्शाती हैं बल्कि एक साझा भविष्य की कल्पना भी करती हैं। हर फ्रेम के साथ, भारतीय फिल्म निर्माता यह सुनिश्चित करते हुए कहानी कहने की सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं कि सिनेमा एक सूत्रबद्ध एवं दूरदर्शी भारत में एकता और प्रगति का एक शक्तिशाली उत्प्रेरक बना रहे।

'कृषि भारत' आमदनी को बढ़ाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा

नीदरलैण्ड व उ०प्र० के मध्य एमओयू का आदान-प्रदान हुआ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 'कृषि भारत' कार्यक्रम कृषि क्षेत्र में तकनीक के आदान–प्रदान, कृषि व उद्यमिता को जोड़ने, फसलों के विविधीकरण और किसानों की आमदनी को बढ़ाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उत्तर प्रदेश ने कृषि, वानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन व डेयरी सेक्टर में अपने उत्पादन को बढ़ाने में सफलता प्राप्त की है। लेकिन इनमें अभी भी अनेक सम्भावनाएं विद्यमान हैं। कृषि में तकनीक का इस्तेमाल करके हम वर्तमान उत्पादन को तीन से चार गुना अधिक बढ़ा सकते हैं।

मुख्यमंत्री जी आज यहां 'कृषि भारत' के शुभारम्भ कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इससे पूर्व मुख्यमंत्री जी ने 04 दिवसीय 'कृषि भारत' कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उन्होंने कृषि प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के समक्ष नीदरलैण्ड की राजदूत सु मारिसा गेरार्ड व प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने एम0ओ0यू0 का आदान–प्रदान किया। मुख्यमंत्री जी को उत्तर प्रदेश माइक्रो इरिगेशन प्रोग्राम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्राप्त आई0एस0ओ0 सर्टिफिकेट भेंट किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय उद्योग परिसंघ (सी0आई0आई0) प्रदेश सरकार के साथ मिलकर कृषि क्षेत्र में डिजिटल कृषि और टेक्नोलॉजी का बेहतर उपयोग करते हुए किसानों की आमदनी को बढ़ाने के दृष्टिगत 'कृषि भारत' कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। सी0आई0आई0 एग्रोटेक इण्डिया वर्ष 2000 से 'कृषि भारत' कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। यह आयोजन पहली बार चण्डीगढ़ से हटकर उत्तर प्रदेश में आयोजित हो रहा है। इस दृष्टि से यह कार्यक्रम काफी मायने रखता है। चार दिवसीय 'कृषि भारत' कार्यक्रम में नीदरलैण्ड भागीदार देश है। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, स्पेन, युगांडा, यू0के0 आदि देश इस कार्यक्रम में प्रतिभाग कर रहे हैं। कृषि क्षेत्र से जुड़े विषय–विशेषज्ञ व स्टेक होल्डर्स 'कृषि भारत' कार्यक्रम में सहभागिता कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कृषि भारत कार्यक्रम देश के अलग–अलग एग्रो क्लाइमेटिक जोन के अन्नदाता किसानों व लोगों को एक–दूसरे से अपने अनुभव, तकनीक को साझा करने व कुछ नया सीखने का मंच प्रदान करता है। इस दिशा में नीदरलैण्ड की राजदूत सु मारिसा गेरार्ड ने उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर अच्छा कार्य किया है। आज उत्तर प्रदेश व नीदरलैण्ड के मध्य एक एम0ओ0यू0 यहां पर हुआ है। इसी प्रकार से यहां पर जी0टू0जी0 के साथ–साथ बी0टू0बी0 के भी कुछ एम0ओ0यू0 सम्पन्न हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी आबादी के राज्य उत्तर प्रदेश में 25 करोड़ जनसंख्या निवास करती है, जो देश की कुल आबादी का 17 प्रतिशत है। उत्तर प्रदेश में देश की 11 प्रतिशत कृषि योग्य भूमि है। प्रदेश में प्रचुर जल संसाधन की उपलब्धता है। परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश देश का 20 प्रतिशत से अधिक खाद्यान्न का उत्पादन करता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने कृषि क्षेत्र के विकास की दिशा में अनेक प्रयास प्रारम्भ किए हैं। उत्तर प्रदेश में 06 कृषि विश्वविद्यालय केंद्र व राज्य सरकार के सहयोग से संचालित हैं। राज्य में 89 कृषि विज्ञान केंद्र सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। आने वाले समय में कृषि विज्ञान केन्द्रों की संख्या और भी बढ़ेगी। प्रदेश में विभिन्न सेक्टर्स के सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस अच्छे ढंग से कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को कृषि कार्य में तकनीक के उपयोग के सम्बन्ध में हमें जागरूक करना होगा। कृषि को उद्यमिता से जोड़ने की अनेक सम्भावनाएं हैं। विगत 10 वर्षों में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश में कृषि और किसानों के हित के लिए स्वॉयल हेल्थ कार्ड, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसे अनेक कदम उठाए गए हैं। सिंचाई कार्य में तकनीक का उपयोग प्रभावी कदम है। देश में 12 करोड़ किसान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ प्राप्त कर रहे हैं, जिससे किसान साहूकारों के चंगुल से मुक्त हुए हैं तथा स्वावलम्बन की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में नेचुरल फार्मिंग का कार्यक्रम शुरु किया गया है। कृषि क्षेत्र में हमारे समक्ष कृषि लागत को कम करने तथा फर्टीलाइजर व पेस्टीसाइड मुक्त कृषि जैसी चुनौतियां विद्यमान हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए हमें तकनीक का इस्तेमाल करते हुए कार्य करने होंगे। इससे पूर्व, मुख्यमंत्री ने नीदरलैण्ड के उप कृषि मंत्री जॉन कीस गोएट व उनके प्रतिनिधियों के साथ नीदरलैण्ड पवेलियन में बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री जी ने नीदरलैण्ड के उप कृषि मंत्री, नीदरलैण्ड की राजदूत व अन्य प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में कृषि क्षेत्र में अनेक सम्भावनाएं व्याप्त हैं। उत्तर प्रदेश की सम्भावनाओं को डिजिटल एग्रीकल्चर व तकनीक से जोड़ा जाए। नीदरलैण्ड व उत्तर प्रदेश शासन के एम0ओ0यू0 के आगे बढ़ने से हम अपने अनुभवों को साझा कर पाएंगे जिसका लाभ उत्तर प्रदेश व नीदरलैण्ड दोनों को प्राप्त होगा। नीदरलैण्ड के उप कृषि मंत्री जॉन कीस गोएट, प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, भारतीय उद्योग परिसंघ के चेयरमैन तरुण स्वाहने, आई0टी0सी0 के चेयरमैन संजीव पुरी ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

इस अवसर पर मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, कृषि उत्पादन आयुक्त मती मोनिका एस0 गर्ग तथा शासन–प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, कृषकों सहित कृषि क्षेत्र से जुड़े अन्य स्टेकहोल्डर्स उपस्थित थे।

किसानों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण 17 से

अमेठी। उप कृषि निदेशक सत्येन्द्र कुमार ने बताया कि जनपद में संचालित सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन योजना के तहत गठित समिति (गवर्निंग बोर्ड) द्वारा अनुमोदित कार्ययोजना के अनुसार प्राप्त लक्ष्य के सापेक्ष सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा) योजनान्तर्गत जनपद से किसानों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण राष्ट्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान मथुरा उत्तर प्रदेश में 17 नवम्बर 2024 से 21 नवम्बर 2024 तक कराये जाने हेतु अनुसंधान संस्थान से तिथि प्राप्त हुयी है। उन्होंने बताया कि जनपद के प्रत्येक विकासखण्ड से 10 किसानों का चयन पहले आओ पहले पाओ के आधार पर करते हुये प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कराया जायेगा। इस सम्बन्ध में उन्होंने जनपद के समस्त किसानों से उपरोक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले इच्छुक किसान अपने विकासखण्ड में स्थापित राजकीय कृषि बीज भण्डार पर अपना आवेदन प्रस्तुत किये जाने हेतु अपील किया है।

चार में मिले डेंगू के लक्षण

चित्रकूट(आरएनएस)। जिला अस्पताल में शिवरामपुर निवासी बरकत खान, पटेल नगर निवासी विद्या गुप्ता, तरौंहा की नैनसी व सिविल लाइंस कर्वी के विनय को तेज बुखार व बदन दर्द होने पर परिजन जिला अस्पताल लाए। जांच के बाद इनमें डेंगू के लक्षण पाये गये। इसी आधार पर इनका इलाज शुरु हुआ। इसके अलावा जिला अस्पताल में मनोहरगंज की रिचा, कर्वी के अनू सिंह, पहाड़ी के ओमप्रकाश व तरौंहा की मेडियादेवी को परिजनों ने तेज बुखार होने पर भर्ती कराया है।

संक्षेप

युवक को दे रहा धमकी

कसेंदा, कौशाम्बी। पिपरी थानाक्षेत्र के बल्हेपुर गांव निवासी राहुल कुमार पुत्र अशोक कुमार ने बताया कि गांव के ही एक युवक ने 2022 में उससे चार किश्त में एक लाख रुपया उधार लिया था। समय सीमा बीत जाने के बाद भी उसने रुपया वापस नहीं किया। रुपया मांगने पर वह आनाकानी करता रहा। रविवार को राहुल अपना बकाया पैसा मांगने के लिए उसके पास गया था। आरोप है कि उसने रुपया देने से इंकार करते हुए गाली गलौच कर दोबार रुपया मांगने पर मारने की धमकी दी। पीड़ित ने थाने जाकर आरोपी दबंग के खिलाफ तहरीर दी। तहरीर मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

निरोधात्मक कार्यवाही में नौ गिरफ्तार

कौशाम्बी। जनपद में अपराध के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में साधारण मारपीट व शांति भंग करने के आरोप में (थाना महेवाघाट से 03, थाना सराय अकिल से 02, थाना कड़ाधाम से 03, थाना मोहब्बतपुर पइन्सा से 01) कुल 09 आरोपियों को गिरफ्तार कर चालान किया गया।

प्रभारी मंत्री करेंगें समीक्षा बैठक

चित्रकूट(आरएनएस)। जिला विकास अधिकारी डीसी एनआरएलएम ओमप्रकाश मिश्र ने जानकारी देते हुए बताया कि आयुक्त चित्रकूटधाम मण्डल बाँदा नोडल अधिकारी बालकृष्ण त्रिपाठी की अध्यक्षता में प्रभारी मंत्री मनोहर लाल मन्नू कोरी के जनपद में विगत माह कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कानून व्यवस्था एवं सीएम डैसबोर्ड, विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक, स्थलीय निरीक्षण की कार्यवाही के कार्यवृत्त की अनुपालन बिन्दुओं पर समस्त संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक पूर्वान्ह 11.30 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित है। उन्होंने समस्त संबंधित अधिकारियों से कहा है कि समीक्षा बैठक में अद्यावधिक प्रगति सूचनाओं के साथ ससमय प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

बुजुर्ग बनवाएं आयुष्मान कार्ड

चित्रकूट(आरएनएस)। सीएमओ डॉ भूपेश द्विवेदी ने बताया कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा नए वर्ग समूह जो की 70 वर्ष या उससे अधिक उम्र के नागरिकों को योजना के अंतर्गत शामिल कर लिया गया है। जिसमें यह नागरिक अपना आधार कार्ड किसी भी राजकीय चिकित्सालय या पंचायत भवन पर ले जाकर निःशुल्क अपना आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं।

25 से शुरू होगा मिजिल्स टीकाकरण कैचअप अभियान

चित्रकूट। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. भूपेश द्विवेदी ने शुक्रवार को बताया कि खसरा व रुबेला के रोकथाम के लिए 25 नवंबर से मिजिल्स टीकाकरण कैचअप अभियान की शुरुआत की जाएगी। बताया कि इस अभियान के तहत छह दिसंबर तक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवरामपुर व पहाड़ी में 0–5 वर्ष के बच्चों को एमआर वैक्सीन लगाने के साथ ही विटामिन ए की दवा भी पिलाई जाएगी।

ग्रामीणों ने समस्या बताई

बाराबंकी(आरएनएस)। तहसील सिरौलीगौसपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत अलीनगर व दरिगापुर के पंचायत भवन में गांव की समस्या गांव में समाधान अभियान के तहत पंचायत सचिव के नेतृत्व में चौपाल बैठक आयोजित की गई। चौपाल में सैकड़ो ग्रामीण नाली, रास्ता, साफ सफाई सहित अन्य समस्याओं को बताया। शुक्रवार को अलीनगर पंचायत भवन में ग्राम प्रधान ओम प्रकाश व ठेकवा माफी में आशिया की अध्यक्षता में आयोजित चौपाल में गांव के सैकड़ो ग्रामीण मौजूद रहे। जिसमें ग्राम पंचायत में नाली साफ सफाई सहित विभिन्न समस्याओं को उठाया गया। जिस पर सचीव के द्वारा सभी को आष्वासन दिया गय।

करियर मेले का आयोजन आज

जैदपुर बाराबंकी(आरएनएस)। राजकिय बालिका इंटर कॉलेज जैदपुर में आज 11 बजे से करियर मेले का आयोजन किया जायेगा। मेले में विभिन्न क्षेत्रों में अपनी अपनी सेवाएँ देने वाले विशिष्ठ अतिथियो के द्वारा छात्राओं को अपने भविष्य में करियर मार्गदर्शन के लिए के जानकारी दी जाएगी। तथा विभिन्न करियर विकल्पों से सम्बन्धित स्टॉल भी लगाए जाएगें। यह जानकारी जीजीआईसी की प्रधानचार्या मंजू श्रीवास्तव ने दी है।

शिकायत जिला पूर्ति अधिकारी से

कौशाम्बी। सिराथू तहसील क्षेत्र के जलालपुर टेंगई गांव निवासी परवेज अहमद ने जिला पूर्ति अधिकारी को दिए शिकायती पत्र के माध्यम से गांव के कोटेदार पर आरोप लगाते हुए बताया कि कोटेदार द्वारा उपभोक्ताओं के राशन देने में घाटोली की जा रही है साथ ही घाटोली का विरोध करने पर उपभोक्ताओं के साथ बदसलूकी की जाती है गांव के राधेश्याम, लाल, मोहम्मद कमर, भारत लाल आदि ने जिला पूर्ति अधिकारी से कोटेदार के विरुद्ध जांच कराकर कार्यवाही की मांग की है।

संस्थान के छात्रों ने मारी बाजी

बारा, कौशाम्बी। बुक योर न्यू टीचर डिजिटल कम्युनिटी के ऑनलाइन क्यूज प्रतियोगिता में सरस्वती शिक्षण संस्थान के छात्रों ने मारी बाजी इस प्रतियोगिता में चयनित हुए उच्च स्तरीय प्रतियोगिता में सरस्वती इंटर कालेज की छात्रा अंशिका ने तीसरा स्थान,अजय कोटार्य ने चौथा स्थान ,रक्षा मिश्रा ने पांचवां स्थान,आर्यन यादव ने सातवां स्थान और जया पाल ने नौवा स्थान प्राप्त किया।सभी चयनित प्रतिभागियों को बुक योर न्यू टीचर टीम द्वारा छात्रों को सार्टिफिकेट विद्यालय समिति द्वारा चयनित प्रतिभागियों को देकर सम्मानित किया गया।यह क्यूज प्रतियोगिता प्रत्येक माह की 13 तारीख को ऑनलाइन आयोजित की जाएगी , यह प्रतियोगिता सरस्वती शिक्षण संस्थान विजिया चौराहा में प्रथम बार आयोजित हुई थी।जिसमे छात्र छात्राओं सहित अध्यापक अध्यापिकाओं में उत्साह दिखा ।वही प्रबंधक राजेश सिंह ने बताया इस प्रकार की प्रतियोगिता से बच्चों में उत्साह दिखता है और इसके परिणाम प्रभावी होते हैं।

लाठियों से पीटा ,केस दर्ज

करारी, कौशाम्बी। कोतवाली क्षेत्र के बरई बंधवा गांव की रामदसी के पति अमरनाथ की मौत हो चुकी है। बेटा जलेन्द्र कुछ दिनों से नशे का आदी हो चुका है। रविवार की शाम वह नशे में आकर रामदसी को गाली गलौज कर लाठी से पीटने लगा। पिटाई से रामदसी को काफी चोटआ गई। इसके बाद बहू ने प्राइवेट वाहन से उसे जिला अस्पताल ले गए। वही पीड़िता ने अपने बेटे के खिलाफ स्थानीय थाने में शिकायत किया। पुलिस ने शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

योजनाओं की दी गई जानकारी

चित्रकूट(आरएनएस)। डीएम के निर्देशन में इंडियन बैंक ने मऊ ब्लॉक के खपटिहा ग्राम पंचायत में सामाजिक सुरक्षा बीमा योजनाओं के बारे में जागरूक करने और बचे हुए लाभार्थियों को इनरोल करने के उद्देश्य से कैंप का आयोजन किया। कैंप में मैजिक शो के माध्यम से विभिन्न बीमा योजनाओं में अधिक से अधिक इनरोल करने के लिए लोगों को जागरूक किया गया।

सपा विधायक के करीबी पर मुकदमा

सोनभद्र (आरएनएस)। सपा नेता और घोरावल पूर्व विधायक के करीबी और उसके परिजनों पर पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर गंभीर धाराओं में बीते दिनों केस दर्ज किया है। पीड़ित ने बताया कि आरोपियों को राजनीतिक संरक्षण प्रदान करने की बात कहीं गई है।रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने न्यायालय में दिए प्रार्थना में बताया कि उसने शादी पड़ने पर गांव के राजाराम देव पांडेय को दो लाख रुपये दिया था। जिसे ब्याज के साथ वापस करना था।बताया कि रुपये वापस मांगने पर विवाद कर रहे हैं। आरोपी का परिवार घोरावल विधानसभा से सपा के पूर्व विधायक रमेश चंद्र दुबे के साथ रहते हैं।उनके यहां काम करते हैं।

दहेज के खातिर शादी के बाद नवविवाहिता की हत्या

नेवादा, कौशाम्बी। सरायअकिल कोतवाली क्षेत्र के पुरखास गांव में ब्याही विवाहिता को दहेज की खातिर ससुरालियों ने मौत के घाट उतार दिया। जानकारी मिलने के बाद रोते बिलखते मौके पर पहुंचे मायके वालों ने दहेज हत्या की तहरीर पुलिस को दी। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पीएम को भेज दिया। तहरीर मिलने के बाद पुलिस मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच में जुट गई है।

चरवा थाने के सैयद सरांवा गांव निवासी नूर मोहम्मद ने अपनी बहन रुबी परवीन की शादी 27 जून 2024 को सरायअकिल थाने के पुरखास गांव निवासी अब्दुल करीम पुत्र इदरीस अहमद के साथ की थी। नूर ने अपनी बहन की शादी में हैसियत के अनुसार दान दहेज दिया था। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुरालीजन दहेज में पांच लाख रुपया नकद की मांग करने लगे। वह लोग दहेज की मांग पूरी न होने पर रुबी को प्रताड़ित करने लगे। रविवार शाम को इन लोगों ने दहेज की मांग पूरी न होने पररुबी की हत्या कर दी। हत्या करने के बाद शव को ठिकाने लगाने का प्रयास करने लगे। मामले की जानकारी रुबी के मायके वालों को हुई तो हड़कंप मच गया। रोते बिलखते परिजन बदहवास हालत में रुबी के ससुराल पहुंचे। भाई नूर मोहम्मद ने थाने जाकर मृतका के पति अब्दुल करीम, ससुर इदरीस, सास कौसरी और देवर कदर के खिलाफ दहेज हत्या की तहरीर दी। तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस सम्बंध में सीओ मनोज कुमार रघुवंशी का कहना है कि मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है। जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी कर जेल भेज दिया जाएगा।

पेटदर्द व बुखार से मासूम समेत बुजुर्ग की मौत

चित्रकू(आरएनएस)ट। पेटदर्द व बुखार से पीड़ित दस माह के मासूम समेत दो की मौत हो गई। रैपुरा निवासी मनजीत ने बताया कि उनके पिता सुरेश चंद्र (67) को तीन दिन से पेटदर्द व बुखार की शिकायत थी। गुरुवार की रात को हालत बिगडने पर परिजन उन्हें लेकर जिला अस्पताल पहुंचे लेकिन अस्पताल पहुंचने के पूर्व ही उनकी मौत हो चुकी थी। इसके अलावा कर्वी निवासी कुलभूषण ने बताया कि उनका दस माह का पुत्र अक्षत दो दिन से बुखार व निमोनिया से ग्रसित था। गुरुवार को उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल लाये जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कॉलेज में पेंटिंग प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

प्रतापगढ़। जिला प्रोवेशन अधिकारी के दिशा निर्देशानुसार मिशन शक्ति फेज –5 के अंतर्गत श्री राम बालिका इंटर कॉलेज में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कक्षा 10, 11 एवं 12 की बालिकाओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रतिभाग में साक्षी विश्वकर्मा कक्षा 10 प्रथम स्थान, अंशिका यादव द्वितीय स्थान एवं अदिति सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय में बालिकाओं को महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के बारे मे विस्तार से जानकारी दी गई एवं विभिन्न टोल फ्री नंबर 181, 1098, 1076, 1930, 108, 102, 112 के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में वन स्टाप सेंटर केन्द्र प्रबंधक नीरजा कुमारी, प्रधानाचार्य डाली, अध्यापक लालमनि पटेल वन स्टाप सेंटर से वन्दना यादव, प्रेमा कुमारी, ज्ञान प्रकाश वर्मा, रवीन्द्र कुमार ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

सरांय अकिल, कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सराय अकिल का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सभी सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित पायें गये। जिलाधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में डॉक्टरों की उपस्थिति, ओपीडी कक्ष, आईपीडी लैब, फार्मेसी, आयुष्मान एवं डिलेवरी कक्ष सहित अन्य कक्षों का निरीक्षण किया। उन्होंने डॉक्टरो को निर्देशित करते हुए कहा कि मरीजों के इलाज में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी, लापरवाही बरतते हुए पाये जाने पर सम्बन्धित के विरूद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जायेंगी। उन्होंने वहॉ पर उपस्थित महिला डॉक्टरों से महिलाओं के इलाज सम्बन्धी जानकारी प्राप्त करते हुए ऐएनसी जॉच को और सुदृढ़ बनाये जाने के निर्देश दियें। इसके साथ ही उन्होंने महिला डॉक्टरों से कहा कि महिलाओं को ऐएनसी–एच एवं आरपी के बारे में भी जागरूक किया जाय। उन्हांने अस्पताल में रिकार्ड मेंटीनेन्स करने के लिए और अधिक ध्यान देने के लिए कहा तथा इनीमिया वार्ड को और अच्छे ढंग से चलाने के भी निर्देश दियें। इसके साथ ही उन्होंने डेंगू मरीजों के बारे में पूछ–तॉछ कर जानकारी प्राप्त की, जिस पर बताया गया कि सराय अकिल क्षेत्र में अभी डेगूं से पीड़ित कोई भी मरीज नहीं मिला है। उन्होंने लेबर रूम के डिलेवरी रजिस्टर को चेक किया, जो कि संतोषजनक पाया गया। निरीक्षण के दौरान साफ–सफाई की व्यवस्था बेहतर पायी गई।

दुर्घटना में तीन लोग हुए घायल

लालगंज, मीरजापुर(आरएनएस)। स्थानीय थाना क्षेत्र के लालगंज हलिया सड़क पर कटाई गांव के सामने हुई बाइक दुर्घटना में बाइक सवार तीन लोग घायल हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची पीआरबी पुलिस घायलों को उपचार कराने हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज पहुंचाया गया चिकित्सक द्वारा प्राथमिक उपचार किए जाने के बाद लाल बहादुर पाल की स्थिति गंभीर देखते हुए मंडलीय अस्पताल के लिए रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार सरावल मिर्जापुर निवासी राम सकल पुत्र पीताबू उम्र 55 वर्ष व हलिया निवासी राम जीत तिवारी पुत्र निधि दत्त तिवारी व लाल बहादुर पाल पुत्र हरिदास पाल निवासी मतवार के बीच दोनों बाइक सवार आपस में भिड़ गए जिससे तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। चिकित्सक द्वारा प्राथमिक उपचार किए जाने के बाद लाल बहादुर पाल पुत्र हरिदास पाल निवासी मतवार की स्थिति गंभीर देखते हुए मंडलीय अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया वहीं राम सकल व रामजीत तिवारी को प्राथमिक उपचार किए जाने के बाद स्थिति सामान्य देख छोड़ दिया गया।

पशुओं के खान–पान व रख–रखाव में दे ध्यान

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने शासन के निर्देशानुसार बदलते मौसम में गो–आश्रय स्थलों में संरक्षित निराश्रित गोवंश एवं पशुपालकों द्वारा पाले जा रहे पशुओं के खान–पान व रख–रखाव में विशेष ध्यान दिये जाने के निर्देश दियें हैं। अस्थाई गो–आश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंशी तथा पशुपालकों द्वारा पाले जा रहें पशुओं के प्रबन्धन एवं खान–पान के सम्बन्ध में प्रमुख दिशा–निर्देश दिये गये है।

जिलाधिकारी ने कहा कि सभी गो–आश्रय स्थलों में क्षमता के अनुरुप ही गोवंश संरक्षित किये जाय, यदि किसी गो–आश्रय स्थल में क्षमता से अधिक गोवंश हैं, तो उन्हें अन्य गो–आश्रय स्थलों में स्थानांतरित किया जाय अथवा गो–आश्रय स्थलों में अतिरिक्त शेड निर्माण कर क्षमता विस्तार किया जाय। गोवंश को आहार में दिये जा रहें चारे विशेषकर चरी तथा सूडान ग्रास की फसल में पानी की कमी के कारण हाइड्रोसाइनिक एसिड तथा नाइट्राइट विषाक्तता होने की प्रबल सम्भावना रहती है, चरी के खेत में समय–समय पर पर्याप्त सिंचाई की जाय। हरे चारे की फसल के खेत में यूरिया की टाप ड्रेसिंग की गयी हो या यूरिया डाला गया हो उस खेत के हरे चारे का उपयोग सिंचाई के उपरान्त कम से कम एक दिन बाद ही खिलाने में प्रयोग किया जाय। पशुओं को मात्र हरा चारा न खिलाया जाय, भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरली द्वारा दी गई एडवाइजरी के अनुसार यह उचित होगा कि पशुओं के आहार में 20 प्रतिशत हरे चारे के साथ 80 प्रतिशत गेहूं के भूसे को मिलाकर खिलाया जाय, जिससे नाइट्राइट तथा हाइड्रोसाइनिक एसिड की विषाक्तता का प्रभाव न्यूनतम हो। हरे चारे की फसल को काटने के उपरान्त एक दिन खेत में छोडने के बाद ही कुटटी काटकर खिलाने के लिए प्रयोग में लाया जाय तथा हरे चारे को 6–8 घंटे (ऋतु अनुसार) से अधिक स्टोर न किया जाय। हरे चारेध्भूसे से अनजानध् विशिष्ट प्रकार गंध आने पर प्रयोग न किया जाय। सूखे से प्रभावित अथवा हरे चारे की फसल जिसमें काफी समय से सिंचाई न की गई हो, ऐसे चारे को पर्याप्त सिंचाई करने के दो तीन दिन के उपरान्त ही पशुओं को काटकर खाने के लिए दिया जाय तथा हरे चारे को सूखे भूसे के साथ मिश्रित करके ही खिलाया जाय, जिसमें साइनाइड विषाक्तता का प्रभाव न पड़े। समस्त उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारीध् पशु चिकित्साधिकारियों द्वारा सूखे से प्रभावित अथवा सिंचाई रहित चरी के सेवन से पशुओं में सम्भावित सायनायड एवं नाईट्राईट प्वाइजनिंग के उपचार के लिए सोडियम थायोसल्फेटध्मिथिलीन ब्लू तथा खेती में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न पदेमगचमेजपेपकमध्चमेजपेपकम की विषाक्तता के उपचार के लिए चमबपपिब दजपकवकम की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सभी पशु चिकित्सालयों पर सुनिश्चित करा ली जाय। इसके लिए अपनी–अपनी मांग मुख्य पशुचिकित्साधिकारी को दे दी जाय ताकि तद्नुसार व्यवस्था के लिए कार्यवाही की जा सकें। भीगे हुये तथा नमी युक्त पशुआहार एवं चारे व साइलेज में फफूँद का प्रकोप होने के कारण एफलाटाक्सिन की विषाक्तता होने की सम्भावना रहती है। फफूँद युक्त भूसा तथा पशु आहार गोवंशोंध्पशुओं को न दिया जाय। पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिये धान की पराली का प्रयोग, उसे खेतों से संग्रह कर गो–आश्रय स्थलों में रखा जाय तथा गो–शालाओं में चारे के उपयोग में लाये जाने वाले हरे चारे में पराली की उपयुक्त मात्रा में मिश्रित कर लिया जाय। मानक अनुसार धान की पराली की कुटटी बनाकर 25 प्रतिशत तक हरे चारे के साथ मिलाकर बैगनेला बीमारी होने का खतरा उत्पन्न हो जाता है। भीगी हुई पराली को किसी भी दशा में पशुओं को हरे चारे के रुप में न खिलाया जाय। पशुओं के पीने के लिए स्वच्छ जल की व्यवस्था की जाय, हमेशा ताजा जल ही पिलाया जाना उत्तम होगा। पानी की चरही में चूना नियमित रुप से डाला जाय, जिससे गोवंश को स्वच्छ एवं जीवाणु रहित जल के साथ कैल्शियम की भी पूर्ति हो सकें तथा पानी की चरही में शैवाल (काई) न पनपने पाये। वर्षा काल के पश्चात गो–आश्रय स्थलों में जल भराव की समस्या का निराकरण मिटटी की पटाई समतलीकरण तथा जल निकासी के उपाय करके पूर्ण कर लिया जाय (भण्डारित भूसे को भीगने से बचाने के पर्याप्त उपाय किया जाना आवश्यक है। सम्बन्धित गो आश्रय स्थल के संचालक तथा ग्राम पंचायत सचिव द्वारा गोवंशों को दिये जा रहे हरे चारे व अन्य आहार की गुणवत्ता जांच प्रतिदिन की जायें।

जिलाधिकारी ने दूर–दराज से आये हुये िकायतकर्ताओं की सुनी समस्याएं

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान दूर–दराज से आये हुये फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त राजस्व शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच कर, शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें जिससे शिकायतकर्ता को इधर–उधर भटकना न पड़े। उन्होने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया है कि जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करें, कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहें इसका विशेष ध्यान दें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनता की शिकायतों को शासन की मंशानुरूप गुणवत्तापूर्ण निस्तारण ससमय करायें, शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही कदापि न बरती जाये।

ई–लाटरी के माध्यम से कृशि यंत्रों का वितरण 14 नवम्बर को–उप कृशि निदेाक– प्रतापगढ़। उप कृषि निदेशक विनोद कुमार यादव ने समस्त किसान भाईयों को सूचित किया है कि सब मिशन आन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, नेशनल मिशन आन एडिबल आयल योजनान्तर्गत कृषि यंत्र/कृषि रक्षा उपकरण, कस्टम हायरिंग सेन्टर (ग्रामीण उद्यमी), थ्रेसिंग फ्लोर, स्मॉल गोदाम इत्यादि के अन्तर्गत जनपद में कृषकों द्वारा कृषि विभाग के पोर्टल पर की गई बुकिंग के सापेक्ष जनपद स्तर पर कृषि भवन सभागार कक्ष में दिनांक 14 नवम्बर 2024 को दोपहर 12 बजे से ई–लॉटरी सम्पन्न करायी जायेगी। जनपद में यंत्र अनुदान हेतु बुकिंग करने वाले इच्छुक किसान भाई ई–लॉटरी आयोजन में उपस्थित हो।

डायलिसिस सेंटर में नहीं है जांच किट

चित्रकूट(आरएनएस)। डायलिसिस सेंटर पहुंचे राजापुर के शंभूनारायण ने बताया कि उनकी मां का डायलिसिस चल रहा है। वह यहां हर दो माह में आते हैं। पिछली बार की तरह इस बार भी शुक्रवार को आए। जहां सुगर तक नापने के लिए किट नहीं है। उसे बाहर से लाना पड़ता है। इसके अलावा कई अन्य जांच किट न होने से नहीं हो पाती है। कसहाई गांव निवासी मालती देवी ने बताया कि उसकी बहन के डायलिसिस कराने आने पर भी यही समस्या होती है। सेंटर में मौजूद नर्स व स्टॉफ ने बताया कि वह जिम्मेदारों से सामग्री उपलब्ध कराने के लिए कह चुके हैं।

नव निर्मित मॉडर्न पुलिस मेस का एसपी ने किया उद्घाटन

प्रयागराज। पुलिस अधीक्षक डॉ अनिल कुमार द्वारा पूर्व में जनपद के थानों पर भ्रमण के दौरान पुलिस कर्मियों के भोजनालयों में उत्तम व्यवस्था /भोजन की गुणवत्ता के लिए सभी थाना प्रभारियों को भोजनालय का नवीनीकरण कर आधुनिक सुविधाओं से लैस, साफ– सफाई एवं सहूलियत को ध्यान में रखते हुए भोजनालय में उचित व्यवस्था हेतु निर्देशित किया गया था। इसी क्रम में दिनांक 16.11.2024 को थाना उदयपुर में पुलिस कर्मियों के लिए बड़ाखाना का आयोजन एवं नवीन मॉडर्न पुलिस मेस का उद्घाटन किया गया। पुलिस अधीक्षक डॉ अनिल कुमार द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक(पश्चिमी) संजय राय, उपजिलाधिकारी लालगंज, क्षेत्राधिकारी लालगंज

रामसूरत सोनकर एवं क्षेत्र के सम्भ्रांत/सम्मानित नागरिकों व जन–प्रतिनिधि गण की गरिमामयी उपस्थिति में थाना उदयपुर पर नवनिर्मित मॉडर्न पुलिस मेस का उद्घाटन किया गया। थाना उदयपुर पर पश्चिमी दिशा की ओर बाउण्ड्री वाल का निर्माण कराया गया। भोजनालय में बैठने हेतु फर्नीचर, पेयजल हेतु आरओ, हाथ धोने हेतु बेसिन, गैस चूल्हा, स्टोर में खाद्य समाग्री हेतु कंटेनर, प्रकाश इत्यादि की व्यवस्था की गई है। आधुनिक भोजनालय के उद्घाटन के पश्चात पुलिस कर्मियों के लिए बड़ाखाना का आयोजन किया गया। बड़ाखाना किसी भी सुरक्षा बल के जवानों के लिए एक परम्परागत आयोजन हैं। जिसमें सभी लोग एक साथ बैठकर भोजन करते हैं एवं समस्त उच्चाधिकारियों द्वारा सबसे पहले अपने जवानों को बैठाकर भोजन परोसा जाता है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक, प्रतापगढ़, अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी), उपजिलाधिकारी लालगंज, क्षेत्राधिकारी लालगंज व अन्य अधिकारीगण व थाना स्थानीय पर उपस्थित स्टाफ के साथ नवनिर्मित आधुनिक पुलिस भोजनालय में भोजन ग्रहण किया गया।

प्रभारी जिलाधिकारी ने सुनी शिकायतें, 03 मामले का मौके पर हुआ निस्तारण

प्रयागराज। प्रभारी जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा की अध्यक्षता में तहसील रानीगंज में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। रानीगंज तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 260 फरियादी अपनी समस्याओं के निस्तारण हेतु उपस्थित हुये जिनमें से 03 शिकायत इस प्रकृति की पायी गयी जिनका मौके पर निस्तारण कर दिया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल प्राप्त 260 शिकायतों में से पुलिस विभाग से 153 शिकायतें, राजस्व विभाग से 70, विकास विभाग से 10, समाज कल्याण 03 व 24 अन्य विभागों से सम्बन्धित शिकायते प्राप्त हुई। पुलिस विभाग से सम्बन्धित शिकायतों को अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) दुर्गेश कुमार सिंह द्वारा सुनी गयी। प्रभारी जिलाधिकारी ने जन शिकायतों को गम्भीरता पूर्वक सुनकर अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया

कि शासन की मंशा अनुरूप शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाये, अन्यथा की स्थिति में सम्बन्धित के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. : CEN-2024-05 दिनांक : 12.11.2024

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य (इंजी0)/निर्माण-1/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिए ई निविदायें निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 16.12.2024 के समय 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदाओं का विवरण इस प्रकार है।

निविदा नं. : CEN-2024-05	अनुमानित मूल्य (रू.) : 64838185.00
कार्य का विवरण : उप मुख्य इंजी0/निर्माण-1/प्रयागराज के अधिकार क्षेत्र में एवं प्रयागराज मंडल के प्रभारी इंजीनियर द्वारा तय किये गये अन्य स्थान तीसरी लाइन के विभिन्न लूप लाइनों एवं मौजूदा अप/डाउन लाइनों के रेल पर मोबाइल फ्लैश बट वेल्डिंग का कार्य।	
बोली प्रतिभूमि (रू.) : 474200.00	कार्य समापन की अवधि : 24 माह
निविदा बंद करने की तिथि और समय : 16.12.2024 15:00 बजे	
निविदा खुलने की तिथि : 16.12.2024 15:30 बजे	
निविदा का प्रकार : ओपेन टेण्डर (एकल पैकेट प्रणाली)	

नोट : (1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 15:00 बजे तक निविदा भरने की तिथि दिनांक 16.12.2024 तक उपलब्ध है। (2) उपरोक्त सभी निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको IT Act-2000 के अर्न्तगत CCA द्वारा जारी Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) बोली प्रतिभूति या तो ई-भुगतान गेटवे के माध्यम से नकद में जमा की जाएगी या भारत के अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बांड के रूप में प्रस्तुत की जाएगी या जैसा कि निविदा दस्तावेजों में उल्लेख किया गया है। बैंक गारंटी बांड निविदा दस्तावेज में दिये गये अनुलग्नक-वीआईए के अनुसार होगा और बोल वैधता अवधि से परे 90 दिनों की अवधि के लिये वैध होगा। (4) निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। (5) निविदा की राशि 10 करोड़ से अधिक होने पर संयुक्त उद्यम (जे.वी.)/ Consortiums/MOUs पर विचार किया जोयगा। (6) संलग्न किये जाने सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। (7) सभी निविदाओं हेतु निविदादाता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर एक प्रमाण-पत्र, जैसा निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। (8) निविदा दस्तावेज में उल्लिखित योग्यता/मानदण्डों को पूरा करने के दावे के समर्थन में अपलोड किये गये दस्तावेजों/प्रमाण-पत्रों की प्रतिलिपिकी पृष्ठ को टेण्डरर फर्म के निविदाकार या अधिकृति प्रतिनिधि द्वारा स्वयं प्रमाणित/डिजिटल हस्ताक्षरित किया जायेगा। स्वयं प्रमाणन में हस्ताक्षर, मोहर और तारीख (प्रत्येक पृष्ठ पर) अंकित होनी चाहिए। केवल वे दस्तावेज जिन्हें निविदाकार द्वारा स्पष्ट रूप से घोषित किया गया है कि निर्धारित पात्रता मानदण्डों की अर्हता प्राप्त करने के दावे का समर्थन करने वाले दस्तावेज को ही उनकी निविदा का मूल्यांकन करने के लिये विचार किया जायेगा। निविदाकार द्वारा दी गयी किसी भी गलत जानकारी के मामले में अनुबन्ध समाप्त कर दिया जायेगा एवं बोली प्रतिभूमि, परफारमेंस गारण्टी और सिक्योरिटी डिपाजिट जब्त कर ली जायेगी और भारतीय रेलवे में एजेंसी पर 5 (पॉच) वर्ष तक कोई भी व्यवसाय करने पर प्रतिबन्ध लगा दिया जायेगा। (9) सरकारी अधिकारियों द्वारा समय-समय पर जारी जी.एस.टी. अधिनियम और सरकार/सम्बन्धित प्राधिकरण द्वारा समय समय पर जारी किये गये नियम लागू होंगे। (10) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिऐ IREPS की वेबसाइड की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। (11) निविदा आनलाइन दिनांक 16.12.2024 को समय 15:00 बजे तक सबमिट किया जा सकता हैं तथा निविदा 15:30 बजे दिनांक 16.12.2024 खोली जायेगी। 1982/24 (C)

X @CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

समाज को बांटने को जो काम मुस्लिम लीग कर रही थी, वही काम अब सपा कर रही है – योगी

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यूपी की रैलियों में समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। बोले–हर दुर्दांत माफिया सपा के गले के हार हैं। उनसे ही इन (सपा) की आजीविका चलती है। उनके घरों से यह लोग जीते हैं। जया पाल–पूजा पाल पर अत्याचार किसी से छिपा नहीं है। भाजपा विधायक कृष्णानंद राय के साथ रमेश यादव, रमेश पटेल समेत सात अन्य की निर्मम हत्या कर दी गई। सपा से जुड़े दुर्दांत माफिया निर्दोष हिंदुओं की हत्या व संपत्ति पर कब्जा करते थे। व्यापारियों का अपहरण, बेटी की सुरक्षा में सेंध, धार्मिक स्थलों पर कब्जा और पर्व–त्योहारों में व्यवधान डालकर अशांति पैदा करते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं होता, क्योंकि यूपी में न कर्फ्यू है, न दंगा है, यहां सब चंगा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फूलपुर विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी दीपक पटेल व खैर से सुरेंद्र दिलेर के पक्ष में शनिवार को जनसभा को संबोधित किया। सीएम ने रैलियों में भी झांसी की दर्दनाक घटना जिक्र कर बच्चों की मौत पर शोक जताया।सबका साथ सैफई परिवार का विकास ही सपा का सिद्धांत। सीएम योगी ने कहा कि सपा को विकास, युवाओं, किसानों, व्यापारियों से कोई मतलब नहीं है। सबका साथ, सैफई परिवार का विकास ही सपा का सिद्धांत है। हमने यूपी को दंगा मुक्त बनाने, खनन, नकल, पशु, वन समेत सभी माफिया से सख्ती से निपटने की बात कही थी और इसे पूरा भी किया। शुचितापूर्ण परीक्षाएं के साथ ही सरकार जब युवाओं के हित में कार्य करती है तो इन्हें परेशानी होती है। हमने पहले दिन ही कहा था कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों से हम भी खिलवाड़ करेंगे। नकल माफिया के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। प्रतियोगी परीक्षाएं शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न हो। इसके लिए सरकार व चयन बोर्ड–आयोग कार्य कर रही है। अच्छे नौजवान सेवा में आएंगे तो विकास को द्रुत गति से बढ़ाकर गरीबों तक शासन की योजनाओं को पहुंचाने में योगदान देंगे। सपा पर निशाना – ऐसे लोगों को सत्ता मिलती है तो गरीब हिंदुओं को योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता। सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के प्रयास से प्रयागराज कुंभ दुनिया में मानवता के मूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मान्यता प्राप्त कर चुका है। सपा राम मंदिर, दीपोत्सव, देव दीपावली, परीक्षाओं की शुचिता, विकास कार्यों, गरीब कल्याण योजनाओं का विरोध करती है। सपा बांटने की राजनीति पर विश्वास करती है। यह लोग जाति के नाम पर बांटेंगे। ऐसे लोग दुश्मन की तरह काम कर रहे हैं। सपा पर निशाना साधते हुए सीएम ने कहा कि सत्ता ऐसे लोगों को मिल जाती है तो गरीब हिंदू टकटकी लगाए देखते रह जाता है, लेकिन उसे शासन की योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता है। सपा के लोग गुमराह करके सोशल मीडिया पर आपस में लड़ाएंगे। सीएम योगी ने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे प्रयागराज को पश्चिमी उत्तर प्रदेश से जोड़ेगी। महज छह से सात घंटे में मेरठ पहुंच जाएंगे। सपा के लोग गुमराह करके सोशल मीडिया पर आपस में लड़ाएंगे। इससे सावधान रहना है। समाजवादी पार्टी के गठबंधन में हर दिन नया घोटाला होता था। चुनाव भाजपा के लिए सेवा का मिशन है,

जबकि सपा–बसपा के लिए अपने कारनामों को अंजाम देने का व्यवसाय और जनता के शोषण, अराजकता फैलाने का सर्टिफिकेट प्राप्त करने का माध्यम है। ढाका में नहीं, अलीगढ़ में हुई थी मुस्लिम लीग की स्थापना। सीएम योगी आदित्यनाथ ने खैर में कहा कि भारत के विभाजन की नींव रखने वाली मुस्लिम लीग की स्थापना 1906 में अलीगढ़ में हुई थी। अलीगढ़ ने उनकी चलने नहीं दी, लेकिन देश को सांप्रदायिक आधार पर बांटने के उनके मंसूबे सफल हो गए। मुस्लिम लीग की स्थापना कराची, इस्लामाबाद, ढाका में नहीं, बल्कि अलीगढ़ में हुई थी। उस समय समाज को बांटने को जो काम मुस्लिम लीग कर रही थी। वही कार्य आज समाजवादी पार्टी कर रही है। इनके मंसूबों को सफल नहीं होने देना है। कुछ ही दिनों के अंदर इस क्षेत्र की वैल्यू दिल्ली से अधिक होने वाली है। सीएम ने विकास कार्यों को गिनाते हुए कहा कि कुछ ही दिनों के अंदर इस क्षेत्र की वैल्यू दिल्ली से अधिक होने वाली है। जेवर एयरपोर्ट, फिल्म सिटी व ट्वाय सिटी बनने के बाद सर्वाधिक लाभ यहां के लोगों का होगा। कांग्रेस और सपा सरकारें विकास नहीं करा सकती थीं। ऐश करने वाले यह लोग राजसी ठाठ–बाट के साथ सत्ता को बपौती बनाकर आज भी जनभावनाओं के साथ खिलवाड़ में लगे हैं। जब अलीगढ़ की तोप गरजेगी तो पाकिस्तान की रूह कांप जाएगी। सीएम योगी ने कहा कि 1947 में 10 लाख से अधिक हिंदुओं को इसलिए कटना पड़ा था, क्योंकि हम बंटे थे। अब बंटना नहीं है, बंटेगे तो कटेंगे। अलीगढ़ में राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय और पाकिस्तान की रूह कंपाने के लिए डिफेंस कॉरिडोर का निर्माण हुआ है। अलीगढ़ की तोप जब दुश्मन की तरफ नाल करते हुए गरजेगी तो पाकिस्तान की रूह कांप जाएगी। सीएम ने कहा कि एक तरफ सबको सम्मान देने वाले लोग हैं तो दूसरी तरफ पूर्व विधायक मलखान सिंह के हत्यारों को संरक्षण देने वाले। अपराधी व माफिया समाज के दुश्मन हैं, इन्हें कभी भी आगे न बढ़ने देना। इनकी जगह जेल या जहन्नुम होनी चाहिए।

लाख कोशिशों के बाद भी बादल आज तक ढक नही पाए – राजेश तिवारी

प्रयागराज। बादल लाख कोशिश कर ले पर सूर्य को सदा के लिए ढक नही सकते यह अभिव्यक्ति एशोसिएशन बोरिंग टेक्नीशियन प्रयागराज के जिला मंत्री राजेश तिवारी ने नवयुवक समाजसेवी संतोष निषाद से उनके ग्राम पंचायत ओनउर मेजा प्रयागराज में कही।संज्ञानित कराते चले कि नवयुवक समाजसेवी श्री निषाद जिला मंत्री के परम मित्र रमेश निषाद के सुपुत्र हैं।जिला मंत्री को गंगापार भदोही जनपद आने व जाने के लिए रमेश निषाद स्वतः ही नाव चलाकर इस पार और उस पार किया करते थे जिससे जिला मंत्री एवं नाविक रमेश निषाद के बीच बहुत ही गहरे पारिवारिक रिश्ते बन चुके हैं। जिला मंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि बादल लाख कोशिश कर ले पर सूर्य को सदा के लिए ढक नही सकते क्योंकि सूर्य की तपिश ऐसी है जो भी चाहे वहाँ जाना चाहेगा वह रास्ते में ही भस्म हो

जाएगा।केवल सत्य एवं न्याय पथगामी को ही सूर्य दर्शन होते हैं और उस समय सूर्य शीतल स्वरूप बनकर उसे दर्शन देते हैं।सूर्य को हिन्दू धर्म में देवता का स्वरुप माना जाता है और हिन्दू धर्म के सभी देवी देवताओं के सिर के पीछे सूर्य की आभा प्रकाशित होती रहती है जिससे साफ स्पष्ट है कि केवल सत्य एवं न्याय पथगामी ही सूर्यदेव के दर्शन के पात्र है क्योंकि बिना उनके कृपा के उन्हें कोई स्वप्न में भी दीदार नही कर सकता।जिला मंत्री ने आगे कहा कि सत्य के बल पर ही यह सारा संसार चल रहा है और सत्य में ही न्याय समाहित रहता है। जिसदिन इस धरती पर सत्य का एक भी कड़ नही रहेगा उसी समय इस धरती पर उत्पन्न समस्त जीव जंतुओं का विनाश होना तय है।मनुष्य का परम कर्तव्य है कि वह सदैव सत्य एवं न्याय के पथ पर अग्रसरित रहे एवं दया,प्रेम, परोपकार एवं सहानुभूति के आभूषणों से स्वयं को परिलक्षित किए रहे जिससे उसका मानव जीवन सफल हो सके और यही मनुष्य का वास्तविक जीवन है।जिला मंत्री ने अपने व्यक्तव्य में यह भी कहा कि सच्चाई सूर्य की वह आभा है जिसे कोई रोक नही सकता,सत्य एवं न्याय पथगामी को कोई बुराई में झोक नही सकता। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षाविद कमलेश पाण्डेय ने कहा कि जिला मंत्री ने बहुत ही सुन्दर मानव जीवन की वास्तविकता का विश्लेषण किया है।वास्तव में इन्हीं मार्गों पर चलकर मानव अपने जीवन को सफल बना सकता है एवं धरती को भी दीर्घायु की ओर ले जा सकता है।इस साहित्यिक एवं आध्यात्मिक वार्ता के दौरान शिक्षाविद जोखू लाल पटेल,समाजसेवी अजय सिंह(अज्जू भैया), समाजसेवी सत्येन्द्र सिंह यादव एवं आलोक कुमार सहित बहुत से लोग मौजूद रहे।

मण्डल ने किया महाकुंभ एवं समरसता विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

प्रयागराज। महाकुंभ –2025 एवं समरसता विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया । संगोष्ठी का शुभारंभ रेलवे अधिकारियों एवं संगोष्ठी में आए अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर के किया। इस संगोष्ठी में श्री पुरुषोत्तमचार्य महाराज; मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ अधिवक्ता एवं समाज सेवी मनोज सेवा निवृत्त पुलिस महानिरीक्षक, श्री के.पी. सिंह; अध्यक्ष/प्रयाग साहित्य संस्था, श्री करुणेश जी; वरिष्ठ अधिवक्ता एवं समाज सेवक,आलोक पाण्डेय; राजीव, हेला समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बृजमोहन, अपर मण्डल रेल प्रबंधक/सामान्य प्रशासन, श्री संजय सिंह वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/ कोचिंग, हिमांशु शुक्ला उपस्थित थे । कार्यक्रम की अध्यक्षता डा० राज बिहारी लाल श्रीवास्तव, प्राचार्य सी एम पी डिग्री कॉलेज ने किया। संगोष्ठी का शुभारंभ अपर मण्डल रेल प्रबंधक/सामान्य प्रशासन श्री संजय सिंह के स्वागत भाषण से हुआ। वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग श्री हिमांशु शुक्ला ने भारत की एतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत पर अपने विचार रखे और रेलवे की महाकुंभ –2025 के लिए की गयी तैयारियों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि ज्ञान और गंगा से पहचान रखने वाली प्राचीन नगरी पूरी दुनिया में अपनी संस्कृति के लिए जानी जाती है। वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग ने कहा कि महाकुंभ –2025 को अविस्मरणीय बनाने के लिए संगम स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को रेलवे की उत्कृष्ट सेवाएं देने के लिए और इस विशाल और अद्भुत समागम को सभी के सहयोग से सफल बनाने के लिए इस संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। भारतीय संस्कृति की 10,000 वर्ष से अधिक पुरानी गौरव गाथा में प्रयागराज का स्थान बेहद महत्वपूर्ण है । पुरुषोत्तमचार्य महाराज ने संगोष्ठी में राष्ट्र की संस्कृति और धर्म पर अपने विचार प्रस्तुत किए । उन्होंने अपने धार्मिक, एतिहासिक और पौराणिक उदाहरणों से समाज की एकता के महत्व पर प्रकाश डाला । वरिष्ठ अधिवक्ता एवं समाज सेवक, श्री आलोक पाण्डेय जी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि राष्ट्र के विकास के लिए हमें जातिगत भेदभाव और ऊंच–नीच की सामाजिक कुरीति से आगे बढ़कर सभी को साथ लेकर चलना होगा । श्री आलोक पाण्डेय जी ने देश में सामाजिक समरसता के लिए किए जा रहे प्रयासों और उनके परिणामों से अवगत कराया। वरिष्ठ अधिवक्ता समाज सेवी एवं सह क्षेत्र संपर्क प्रमुख/आरएसएस/पूर्वी उत्तर प्रदेश, श्री मनोज ने अपने विचार रखते हुए महाकुंभ –2025 में सामाजिक समरसता के लिए मिलकर सेवा भाव के साथ कार्य करने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ –2025 में आंकड़ों और विकास से ज्यादा महत्वपूर्ण है कि इसकी गाथा आपसी सदभाव, साझा सहयोग, सांस्कृतिक विरासत और

सामाजिक समरसता के पटल पर लिखी जाए । इस संगोष्ठी में मंच पर आसीन सभी विद्वान जनों ने कहा कि कुंभ मेला परंपरा का विश्व भर में रहने वाले करोड़ों लोगों के जीवन में आध्यात्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व है। यह आयोजन खगोल विज्ञान, ज्योतिष, अध्यात्म, अनुष्ठानिक परंपराओं और सामाजिक और सांस्कृतिक रीति–रिवाजों और प्रथाओं के विज्ञान को समाहित करता है जो इसे विविध क्षेत्रों और विषयों के ज्ञान का एक मिश्रण बनाता है।पृथ्वी पर सबसे बड़ा शांतिपूर्ण मानव समागम माने जाने वाले कुंभ में तीर्थयात्री, जन्म और मृत्यु के अनन्त चक्र से मुक्ति मिलने के विश्वास के साथ पवित्र नदियों– गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम में स्नान करते हैं । यह समय है कि हम अपनी सेवाओं की उत्कृष्टता से पूरी दुनिया को परिचित कराएं, हम अपनी संस्कृति की पूरी दुनिया में अमिट छाप छोड़े और यह अवसर है हम अपने राष्ट्र और शहर की सामाजिक समरसता की नयी परिभाषा गढ़ें। महाकुंभ –2025 की कहानी हजारों बिदुओं और अनगिनत रूपों में गढ़ी जाएगी। हमने करोड़ों श्रद्धालुओं को आवागमन का सुखद अनुभव कराया; हमारा सेवा भाव सराहनीय है; महाकुंभ–2025 ने प्रयागराज के विकास का मार्ग प्रशस्त किया। सैकड़ों युद्धों, हजार चुनौतियों और लाखों बलिदान देकर हमने अपनी संस्कृति और विरासत को सहेजकर रख और इस महायज्ञ में पूरे राष्ट्र को एक सूत्र में बांध दिया द्य सामाजिक समरसता को देखना है तो दुनिया के हर व्यक्ति को प्रयागराज आना ही होगा।

मंगेश घिल्डियाल,उपसचिव/पी एमओ ने की महाकुम्भ के कार्यों की समीक्षा

उत्तर मध्य रेलवे

रूचि की अभिव्यक्ति

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, चिकित्सा निदेशक/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज, केंद्रीय अस्पताल/प्रयागराज को विभिन्न जांच सुविधा (प्रयागराज के लिए गैर एनएबीएल सीजीएचएस 2014 दरों के अनुसार) प्रदान करने के लिए प्रयागराज के विभिन्न डायग्नोस्टिक केंद्रों से "**रूचि की अभिव्यक्ति**" आमंत्रित कर रहे हैं।

सभी इच्छुक डायग्नोस्टिक केंद्रों से अनुरोध है कि वे निर्धारित प्रोफार्मा में अपना "ईओआई" प्रस्तुत करें, जिसे एनसीआर वेबसाइट **(www.ncr.indianrailways.gov.in)** से डाउनलोड किया जा सकता है। इस विज्ञापन के प्रकाशन के 15 दिनों के भीतर।

निर्धारित प्रोफार्मा के साथ आवेदन पत्र चिकित्सा निदेशक, केंद्रीय अस्पताल, उत्तर मध्य रेलवे, नवाब यूसुफ रोड, प्रयागराज के कार्यालय में भी उपलब्ध है।

कार्य की अनुमानित मात्रा लगभग **रू. 60 लाख** प्रति वर्ष होगी (पिछले वर्ष के रिकॉर्ड के आधार पर)।

चिकित्सा निदेशक
सीएच/एनसीआर/पीआरवाईजे.

1974/24 (C)

X @CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

प्रयागराज। मंगेश घिल्डियाल, उपसचिव प्रधानमंत्री कार्यालय ने मण्डल के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में रेल प्रशासन द्वारा महाकुंभ–2025 की तैयारियों की समीक्षा की गयी। इस बैठक में अपर मण्डल रेल प्रबंधक/सामान्य प्रशा०,संजय सिंह; प्रधानमंत्री कार्यालय टीम से श्री कार्तिकेयन कूलाथुमन, वीपी/स्पेशल प्रोजेक्ट; श्री अरिहंत कुमार, लीड एवं एवीपी (पीएमजी); श्री मेहुल शर्मा एवं प्रयागराज मण्डल के अधिकारी उपस्थित रहे । बैठक में अपर मण्डल रेल प्रबंधक, संजय सिंह ने पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से महाकुंभ –2025 की तयारियों के विषय में अवगत कराते हुए बताया कि श्रद्धालुओं को यात्रा का सुखद अनुभव देने के लिए रेलवे तैयार है। उन्होंने आगे बताया कि आसान टिकट वितरण, यात्री आश्रय, स्टेशन भवन/प्लेटफॉर्म/ कवर शेड का निर्माण/विस्तार/ सुधार, अतिरिक्त एफओबी का निर्माण/मरम्मत, वाशिंग लाइनों का निर्माण/उन्नयन, यात्री सूचना प्रणाली का विस्तार, सर्कुलेटिंग एरिया में सुधार, रेलवे परिसर में बाउंड्री का निर्माण, सड़कों का सुधार एवं चौड़ीकरण, सीसीटीवी और सुरक्षा व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, जलापूर्ति में वृद्धि, साइनेज, एग्जीक्यूटिव लाउंज का निर्माण, शौचालय सुविधाओं में वृद्धि कर रेलवे द्वारा अपनी सर्वोत्तम सेवाएं देने के लिए सारी तैयारियां कर ली गई हैं। इसी क्रम में अपर मण्डल रेल प्रबंधक/सामान्य प्रशासन ने महाकुंभ –2025 के दौरान चलायी जानी वाली गाड़ियों की दिशवार योजना एवं प्रयागराज क्षेत्र के स्टेशनों की क्षमता से टीम को अवगत कराया।

19 नवम्बर से 25 नवम्बर तक मनाया जायेगा कौमी एकता सप्ताह – जिलाधिकारी

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने बताया है कि जनपद में दिनांक 19 नवम्बर से 25 नवम्बर तक कौमी एकता सप्ताह मनाया जायेगा। उन्होने बताया है कि दिनांक 19 नवम्बर को जनपद के समस्त कार्यालय में राष्ट्रीय अखण्डता दिवस के रूप में धर्म निरपेक्षता, सांप्रदायिकता–विरोधी और अहिंसा सम्बन्धी विषयों को महत्व देने के लिये बैठक, विचार गोष्ठियां और सेमीनार आयोजित किये जायेगें। दिनांक 20 नवम्बर को अल्पसंख्यक कल्याण दिवस के रूप में प्रधानमंत्री के 15 सूत्रीय अल्पसंख्यकों के कार्यक्रम की बातों पर जोर दिया जाये, दंगा सम्भावित शहरों में भाई–चारा बढ़ाने लिये विशेष जुलूस अपरान्ह 1 बजे से तहसील मुख्यालय स्थित कस्बों में प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के जुलूस का आयोजन व अपरान्ह 2 बजे विकास भवन में विचार गोष्ठी आयोजित की जायेगी। दिनांक 21 नवम्बर को भाषाई सद्भावना दिवस के रूप में पूर्वान्ह 11 बजे से अफीम कोठी में विशेष/साहित्यिक समारोहो और कवि सम्मेलनों का आयोजन किया जाये, ताकि भारत में प्रत्येक क्षेत्र के लोग एक दूसरे की भाषाई धरोहर को समझ सके। दिनांक 22 नवम्बर को कमजोर वर्ग दिवस के रूप में अपरान्ह 2 बजे से तहसील, ब्लाक, नगर पालिका व नगर पंचायत में गोष्ठी का आयोजन तथा तहसीलों में पट्टा वितरण विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों के तहत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति तथा कमजोर वर्ग के लोगों की सहायता करने वाली मदों का प्रचार प्रसार करने के लिये बैठक और रैलियां आयोजित की जायेंगी और अतिरिक्त जमीन भूमिहीन मजदूरों को आवंटित करने पर जोर दिया जायेगा। दिनांक 23 नवम्बर को सांस्कृतिक एकता दिवस के रूप में पूर्वान्ह 11 बजे से राजकीय इण्टर कालेज में गोष्ठी/समारोह का आयोजन कर विविधता में एकता की भारतीय परम्परा को प्रस्तुत करने और सांस्कृतिक संरक्षण तथा अखण्डता को बढ़ावा देने के लिये सांस्कृतिक समारोहा आयोजित किये जायेगें। दिनांक 24 नवम्बर को महिला दिवस के रूप में पूर्वान्ह 11 बजे से सभी विकास खण्ड में गोष्ठी में भारतीय समाज में महिलाओं के महत्व और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को उजागर किया जायेगा तथा दिनांक 25 नवम्बर को संरक्षण दिवस दोपहर 12 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक अफीम कोठी में बैठक, समारोह का आयोजन कर पर्यावरण को सुरक्षित रखने के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देने के लिये बैठकों और समारोहों का आयोजन किया जायेगा। समस्त कार्यक्रमों के आयोजन हेतु मुख्य विकास अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। जिलाधिकारी ने समस्त सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि कौमी एकता सप्ताह को हर्षोल्लास के साथ मनाये और निर्धारित कार्यक्रम आयोजित करायें।

निर्वाचन पर्व पर 20 नवंबर को रहेगा सामूहिक अवकाश – जिलाधिकारी

प्रयागराज 256 – फूलपुर विधान सभा उप चुनाव के मतदान 20 नवंबर (बुधवार को जनपद में निर्वाचन के प्रयोजन के लिए सार्वजनिक अवकाश रहेगा। उक्त तिथि को जनपद के कोषागार तथा उप कोषागार बन्द रहेंगे। जनपद के समस्त विभागाध्यक्ष / कार्यालयाध्यक्षों से अनुरोध है कि कृपया अपने अधीनस्थ कर्मचारियों,जिनकी ड्युटी इस विधान सभा, उप निर्वाचन में लगायी गयी है,को उनके सामान्य कार्य से ऐसे समय मुक्त कर दें, जिससे उनकी राय में उक्त कर्मचारी अपने–अपने मतदान केन्द्रों पर पर्याप्त समय रहते पहुँच सकें और वहाँ अपने ठहरने के लिए आवश्यक प्रबन्ध कर सकें। यदि कर्मचारीगण जो निर्वाचन अथवा मतगणना के वक्त लगाये गये हैं।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062